राजस्थान सरकार

प्रगति विवरण/प्रशासनिक प्रतिवेदन
वर्ष 2019–20

जल संसाधन विभाग राजस्थान एवं राज्य जल संसाधन विभाग,
आयोजना विभाग, राजस्थान जयपुर

विषय सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	सामान्य विवरण – सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति का संक्षिप्त विवरण।	1–20
	तालिकाएं	
1	राजस्थान में सतही जल से योजनावार सृजित सिंचाई क्षमता (इन्दिरा गांधी नहर सहित)	21
2	योजनाकाल के अनुसार पूर्ण की गई सिंचाई परियोजनाओं की संख्या।	22
3	वर्ष 2019–20 में राज्य योजनान्तर्गत चालू सिंचाई परियोजनाओं की अधिकतम सिंचाई क्षमता का विवरण।	23–25
4	(अ) वर्ष 2018–19 में पूर्ण की गई सिंचाई परियोजनाओं की संख्या एवं सृजित सिंचाई क्षमता।	26
5	(अ) वर्ष 2019–20 (माह–दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति का संक्षिप्त विवरण।	27
	(ब) वर्ष 2019–20 (माह–दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की परियोजनावार प्रगति एवं राजस्व प्राप्तियां।	28–32
6	वर्ष 2019–20 (माह–दिसम्बर, 2019 तक) में अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत की गई प्रगति।	33–35
7	वर्ष 2019–20 (माह–दिसम्बर, 2019 तक) में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत की गई वित्तीय प्रगति एवं लाभान्वित परिवारों की संख्या।	36
8	वर्ष 2019–20 में (माह–दिसम्बर, 2019 तक) राज्य योजनान्तर्गत चालू विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का जिलेवार विवरण।	37
9	वर्ष 2019–20 में विभिन्न योजनान्तर्गत चालू लघु सिंचाई परियोजनाओं की संख्या का (माह दिसम्बर, 2019 तक) जिलेवार विवरण।	38
10	वर्ष 2019–20 (माह– दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित किये जाने के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों का जिलेवार विवरण।	39
11	वर्ष 2019–20 (माह–दिसम्बर, 2019 तक) में लघु सिंचाई परियोजनाओं से सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता।	40
12	वर्ष 2019–20 (माह–दिसम्बर, 2019 तक) में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रेक्चर्स योजना के अन्तर्गत जिलेवार की गई प्रगति।	41–42
13	वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान।	43–51
14	राजस्व विभाग द्वारा संकलित सूचना के आधार पर कुल सिंचित क्षेत्रफल एवं वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल।	52

प्रगति प्रतिवेदन वर्ष 2019–20

क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रान्त है, जिसका कुल क्षेत्रफल 342.67 लाख हैक्टेयर है, जिसमें से लगभग 272.11 लाख हैक्टेयर क्षेत्र कृषि योग्य भूमि है, जो कि देश के कृषि योग्य क्षेत्र का लगभग 14 प्रतिशत है। राज्य में पानी की उपलब्ध मात्रा प्रति व्यक्ति, राज्य के स्तर पर औसतन 800 घन मीटर से भी कम है, जो देश में उपलब्ध कुल सतही जल का मात्र 1.16 प्रतिशत ही है। राज्य में सतही जल स्त्रोतों से कुल उपलब्ध जल की मात्रा 16.05 बी0सी0एम0 आंकी गई है।

राजस्थान में वर्षा जल को अधिक से अधिक मात्रा में संग्रहित करना अति–आवश्यक हो गया है, जिससे सतही जल की उपलब्धता बढ़ने के साथ–साथ भू–जल स्तर भी बढ़ सके। राज्य में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व 4 लाख हैक्टेयर भूमि में ही सिंचाई सुविधा उपलब्ध थी, जिसमें से 3 लाख 20 हजार हैक्टेयर में वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं से तथा 80 हजार हैक्टेयर में लघु सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से सिंचाई होती थी।

राज्य में आर्थिक रूप से उपयोगी कुल उपलब्ध सतही जल 16.05 बी0सी0एम0 में से 11.99 बी0सी0एम0 जल के उपयोग हेतु विभिन्न वृहद, मध्यम एवं लघु सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण किया गया है। पड़ोसी राज्यों से राजस्थान प्रदेश को 17.88 बी0सी0एम0 सतही जल आवंटित है, जो निम्नानुसार है :–

क्र0सं0	परियोजना का नाम	आवंटित जल
1.	रावी–व्यास–सतलज, गंगनहर, भाखड़ा नहर, इन्दिरा गांधी नहर एवं सिद्धमुख नहर हेतु जल में राज्य का हिस्सा	13.71 बी0सी0एम0
2.	चम्बल	1.97 बी0सी0एम0
3.	माही	0.46 बी0सी0एम0
4.	नर्मदा	0.62 बी0सी0एम0
5.	यमुना	1.12 बी0सी0एम0
	योग :–	**17.88 बी0सी0एम0**

गंग नहर का कार्य स्वतंत्रता से पूर्व 1927 में ही पूर्ण कर लिया गया था। उपरोक्त उल्लेखित अन्तर्राज्यीय समझौतों से राज्य को आवंटित जल के उपयोग से सम्बन्धित परियोजनाओं एवं अन्य वृहद, मध्यम व लघु सिंचाई परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप दिसम्बर, 2019 तक राज्य में 38.809 लाख हैक्टेयर (इन्दिरा गांधी नहर परियोजना सहित) क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का सृजन संभव हो सका है।

प्रशासनिक संरचना

जल संसाधन विभाग, माननीय जल संसाधन मंत्री के अधीन है। विभाग का समस्त प्रशासनिक नियंत्रण शासन सचिव, जल संसाधन विभाग के नियंत्रण में है। मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन, पदेन अतिरिक्त शासन सचिव (तकनीकी मामलात) भी है। विभाग में 12 मुख्य अभियन्ता के स्वीकृत पद है, जो निम्नानुसार हैंः–

- मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन एवं पदेन अतिरिक्त शासन सचिव (तकनीकी मामलात), राजस्थान, जयपुर।
- मुख्य अभियन्ता, एस.डब्ल्यू.आर.पी.डी., राजस्थान, जयपुर।
- मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन (उत्तर संभाग) हनुमानगढ़।
- मुख्य अभियन्ता, गुण नियंत्रण जल संसाधन इकाई, जयपुर।
- मुख्य अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना, सांचौर।
- मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन सम्भाग, कोटा।
- मुख्य अभियन्ता, इन्दिरा गांधी नहर परियोजना, बीकानेर।
- मुख्य अभियन्ता, रीवर बेसिन एण्ड वाटर रिसोर्सेज प्लानिंग ऑथोरिटी, जयपुर।
- मुख्य अभियन्ता, सिं.क्षे.वि. (पश्चिम) बीकानेर।
- मुख्य अभियन्ता एवं अति.सचिव, सि.क्षे.वि.(पूर्व) जयपुर।
- मुख्य अभियन्ता, बी.बी.एम.बी. चण्डीगढ ।
- मुख्य अभियन्ता एवं महानिदेशक आई.एम.टी.आई. कोटा।

जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं लघु सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण, अनुरक्षण एवं जल वितरण से सम्बन्धित कार्यों को गति प्रदान करने की दृष्टि से मुख्य अभियन्ता के अधीन 4 संभाग यथा – जयपुर, जोधपुर, उदयपुर एवं कोटा कार्यरत है। इन संभागों के प्रभारी अधिकारी मुख्य अभियन्ता/अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता स्तर के हैं, जिनकों विभागाध्यक्ष के रूप में तकनीकी एवं प्रशासनिक शक्तियां प्राप्त हैं।

अन्वेषण, रूपांकन एवं अनुसंधान, जल संसाधन जयपुर इकाई, में जल संसाधन विभाग से सम्बन्धित सर्वेक्षण एवं अनुसंधान, डिजाईन, जल विज्ञान, बांध सुरक्षा, बांधों एवं नहरों के डिजाईन, पर्यावरण इत्यादि कार्यों को मुख्य अभियंता, एस.डब्ल्यु.आर.पी.डी. के द्वारा सम्पादित किया जाता है। मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन (उत्तर संभाग), हनुमानगढ़ गंग नहर प्रणाली, इन्दिरा गांधी नहर (आर.डी. 0 से 620 तक), सिद्धमुख, नोहर एवं भाखड़ा परियोजनाओं से सम्बन्धित समस्त प्रकार के निर्माण, अनुरक्षण, जल वितरण एवं जल नियंत्रण से सम्बन्धित कार्यों को सम्पादित करते हैं। इसी प्रकार मुख्य अभियन्ता, गुण

नियंत्रण, जल संसाधन इकाई, जयपुर द्वारा विभाग के अधीन चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों (इन्दिरा गांधी नहर परियोजना एवं सिंचित क्षेत्र विकास (पश्चिम) बीकानेर को छोड़कर) की गुणवता एवं सतर्कता के समस्त कार्य सम्पादित किया जाता है। इसके अतिरिक्त राज्य में स्थित बॉधो एवं नहरों के पुनरूद्वार के लिए राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना (RWSLIP) तथा राजस्थान जल क्षेत्र पुनर्सरचना परियोजना रेगिस्तान क्षेत्र (RWSRPD) का कार्यों का समन्वय एवं मॉनिटरिंग के कार्य भी मुख्य अभियन्ता, गुण नियंत्रण एवं सतर्कता द्वारा सम्पादित किये जा रहे हैं। इन परियोजनाओं के कार्यों का क्रियान्वयन एवं निष्पादन संबंधित संभाग द्वारा किया जा रहा है। मुख्य अभियन्ता, राज्य जल संसाधन आयोजना विभाग (SWRPD) के अन्तर्गत राज्य व्यापी जल क्षेत्र पुनर्गठन को सुदृढ़ करना एवं पंचायती राज संस्थाओं एवं जल उपभोक्ता समूहों को चयनित जिलों एवं पंचायत समितियों में सुदृढ़ करना सम्मिलित है। मुख्य अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना, सांचौर नर्मदा नहर के सम्पूर्ण कार्य के लिए उत्तरदायी है।

अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सतर्कता एवं रेग्यूलेशन बीकानेर द्वारा जल के रेग्यूलेशन एवं इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के अधीन चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच का कार्य सम्पादित किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता सतर्कता एवं रेग्यूलेशन के प्रशासनिक नियंत्रण में दो रेग्यूलेशन वृत एवं 5 रेग्यूलेशन खण्ड कार्यरत है।

महानिदेशक एवं मुख्य अभियन्ता, सिंचाई प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान, कोटा एवं निदेशक व अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता हाइड्रोलोजी एवं वाटर मैनेजमेन्ट इन्स्टीट्यूट, बीकानेर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभाग से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण एवं प्रबन्धकीय कार्यों के लिए उत्तरदायी है।

राज्य में जायका (JICA-Japan International Cooperation Agency) से पोषित जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना (RWSLIP) तथा न्यू डेवलपमेंन्ट बैंक (एनडीबी) पोषित राजस्थान जल क्षेत्र पुनर्संरचना परियोजना रेगिस्तान क्षेत्र (RWSRPD) के कार्यों की मोनीटरिंग हेतु पी.एम.यू. (Project Monitory Unit) तथा कार्यों के क्रियान्वयन एवं निष्पादन हेतु विभाग में स्वीकृत पदों को स्थानान्तरित करते हुए वृत्त/खण्ड कार्यालयों का सृजन किया गया है।

जल संसाधन विभाग के विभिन्न संगठनों/संभागों के अन्तर्गत आने वाले जल संसाधन वृतों एवं खण्डों का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र. सं.	संभाग/संगठन का नाम		वृत कार्यालय का नाम	खण्डों की संख्या
1. **मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन राजस्थान, जयपुर के अधीन –**				
अ.	अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जल संसाधन संभाग, जयपुर	क.	जल संसाधन वृत, जयपुर	5
		ख.	जल संसाधन वृत, भरतपुर	6
		ग.	जल संसाधन वृत, अजमेर	3

		घ.	बांध वृत बीसलपुर परियोजना देवली	3
		ड़	ईसरदा वृत टोंक	2
ब.	अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जल संसाधन संभाग, जोधपुर	क.	जल संसाधन वृत, जोधपुर	3
		ख.	जल संसाधन वृत, पाली	3
स.	अतिरिक्त मुख्य अभियंता, जल संसाधन संभाग, उदयपुर	क.	जल संसाधन वृत, उदयपुर	4
		ख.	जल संसाधन वृत, भीलवाड़ा	3
		ग.	जल संसाधन वृत, बांसवाड़ा	3
		घ.	जल संसाधन निर्माण वृत, डँगरपुर	3
		ड.	निर्माण वृत, माही परियोजना बांसवाड़ा	7
2.	**मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन सम्भाग, कोटा के अधीन –**			
	मुख्य अभियंता, जल संसाधन संभाग, कोटा	क.	सिंचाई वृत, कोटा	2
		ख.	रा.प्र.सा. एवं ज.सा. बांध वृत,कोटा	3
		ग.	जल संसाधन वृत, बारां	3
		घ.	जल संसाधन वृत, झालावाड़	5
		ड.	जल संसाधन परियोजना वृत, झालावाड़	4
3. **मुख्य अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना सांचौर के अधीन –**				
		क.	नर्मदा नहर परियोजना वृत, प्रथम, सांचौर	2
		ख.	नर्मदा नहर परियोजना वृत, द्वितीय सांचौर	4
4. **मुख्य अभियन्ता, गुण नियंत्रण, जल संसाधन इकाई, जयपुर –**				
		क	अधीक्षण अभियन्ता, पीएमयू राजामिप, जयपुर	0
		ख	अधीक्षण अभियन्ता,गुण नियंत्रण जयपुर	3
		ग	अधीक्षण अभियंता, गुण नियंत्रण उदयपुर	7
		घ.	अधीक्षण अभियंता, गुण नियंत्रण हनुमानगढ	3
		ड.	अधीक्षण अभियंता, गुण नियंत्रण कोटा	3
		च.	अधीक्षण अभियंता, सब पीएमयू आर.डब्ल्यू. एस.आर.पी.डी. जयपुर	0
5. **मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन (उत्तर संभाग) हनुमानगढ के अधीन –**				
.		क.	जल संसाधन वृत, श्रीविजयनगर	3
		ख.	जल संसाधन वृत, श्रीगंगानगर	4
		ग.	जल संसाधन वृत, छत्तरगढ़	3

	घ	जल संसाधन वृत, नोहर	3
	ड.	जल संसाधन वृत, हनुमानगढ़	6
	च.	जल नियंत्रक वास्ते राज.चण्डीगढ़	2
	छ.	अधीक्षण अभियंता, पीएमयू आर.डब्ल्यु.एस. आर.पी.डी. हनुमानगढ	0
6. **मुख्य अभियन्ता, एस.डब्ल्यू.आर.पी.डी. –** (अ) आई.डी.आर. यूनिट जयपुर–			
	क.	निदेशक, बांध एवं परियोजना निदेशक (DRIP), जयपुर	4
	ख.	निदेशक, नहर, जयपुर	3
(ब) एस.डब्ल्यू.आर.पी.डी.इकाई			
	क.	अधीक्षण अभियंता, वाटर प्लानिंग एस. डब्ल्यू.आर.पी.डी	
	ख.	अधीक्षण अभियंता, इन्वायरमेंट एस.डब्ल्यू. आर.पी.डी.	
	ग.	अधीक्षण अभियंता, आर एण्ड डी एस. डब्ल्यू.आर.पी.डी.	

वर्ष 2019–20 की माह दिसम्बर, 2019 तक प्रगति

राज्य योजनान्तर्गत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं (इ0गा0न0प0 एवं सिं0क्षे0वि0 के अतिरिक्त) पर रू0 2211.76 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। चालू वित्तीय वर्ष में माह दिसम्बर, 2019 तक 1857.84 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

वर्ष 2019–20 में 23000 हैक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्व माह दिसम्बर, 2019 तक 9793 हैक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवायी जा चुकी है।

नर्मदा नहर परियोजना

नर्मदा नहर परियोजना की पुनः संशोधित प्रशासनिक एवं वित्तिय स्वीकृत लागत रू. 3124.00 करोड़ है। परियोजना के तहत 2.46 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया था। 74 कि.मी. लम्बी नर्मदा मुख्य नहर का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। माह–दिसम्बर, 2019 तक 1718.52 कि0मी0 लम्बाई में वितरिकाओं/ उप वितरिकाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका हैं तथा 2.458 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाई जा चुकी है।

परियोजना के मुख्य नहर के कमाण्ड क्षेत्र में स्प्रिंकलर हेतु एच.डी.पी.ई. पाईप्स लगाने का 99.97 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है शेष कार्य प्रगति पर है जिसे

मार्च, 2020 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। सतही एवं लिफ्ट वितरिकाओं पर स्थित 2232 डिग्गीयों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। नर्मदा नहर परियोजना में स्प्रिंकलर पद्वति को अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। वर्ष 2019–20 में परियोजना पर 111.24 करोड़ रू0 के बजट प्रावधान के विरूद्व माह दिसम्बर, 2019 तक 99.59 करोड़ रू0 व्यय किये जा चुके है।

परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना

परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना परवन नदी पर ग्राम अकावद कलाँ खानपुर झालावाड के निकट प्रस्तावित है। परवन परियोजना की संशोधित वित्तीय स्वीकृति लागत रू. 7355.23 करोड़ है। बाँध की कुल भराव क्षमता 490.00 मिलियन घन मीटर एवं उपयोगी भराव क्षमता 462 मिलियन घन मीटर जल भराव क्षमता है। परियोजना से होने वाले लाभ (जल उपयोग) का विवरण निम्नानुसार है।

सिंचाई लाभः– परियोजना में 317 मिलियन घन मीटर जल सिंचाई हेतु आरक्षित है। परियोजना के कमाण्ड क्षेत्र का सृजन दो चरणों में किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना में सिंचाई जल का उपयोग बून्द बून्द/फव्वारा पद्वति से सिंचाई सुविधा प्रदान करना प्रस्तावित है। जिसके अनुसार प्रथम चरण में कुल 131400 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता का सृजन किया जावेगा।

परियोजना के द्वितीय चरण में कुल 70000 हैक्टेयर अतिरिक्त भूमि में सिंचाई क्षमता का सृजन किया जाना प्रस्तावित हैं। इस प्रकार परियोजना के द्वारा 637 ग्रामों की कुल 201400 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का सृजन किया जाना प्रस्तावित है ।

पेयजल लाभः– परियोजना से 50 मिलियन घन मीटर जल द्वारा बांरा, झालावाड़ व कोटा जिले के क्रमशः 936, 309 व 576 कुल 1821 ग्रामों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।

वन्य जीव लाभः–परियोजना में शेरगढ़ वन्य जीव अभयारण्य हेतु 16 मिलियन घनमीटर जल आरक्षित है ।

औद्योगिक लाभ :–परियोजना में तापीय विद्युतीय परियोजनाओं हेतु 79 मीलियन घनमीटर जल आरक्षित है जिसके द्वारा कुल 2970 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा सकेगा।

बाँध निर्माण कार्य :–परवन वृह्द्ध बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना के बाँध व टनल निर्माण कार्य के राशि रू0 673 करोड़ के कार्यादेश मैंसर्स हिन्दुस्तान कन्स्ट्रक्शन् कंपनी को दिनांक 19.05.2017 को जारी किये गये थे, कार्य प्रारम्भ करने की तिथि 29.05.2017 एवं कार्य पूर्ण करने की तिथि 07.10.2021 है। बाँध के निर्माण के अन्तर्गत लगभग 7.00 लाख घन मीटर खुदाई कार्य व 35000 घन मीटर सीमेन्ट कंक्रीट कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा टनल के अन्तर्गत कुल 8.708 कि.मी. में से लगभग 6.90 कि.मी. लम्बाई में खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

नहर निर्माण कार्यः—परियोजना के प्रथम चरण में 1.31 लाख है0 नहरी तन्त्र के निर्माण करने हेतु निविदा राशि 2170.08 करोड़ की स्वीकृति राज्य सरकार के आदेश क्रमांक F2(40)/AS/I/Cell/2018/1899 दिनांक 30.04.2018 द्वारा M/s GVPR Engineers Ltd. के पक्ष में की जाकर दिनांक 18.05.2018 को कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं। कार्य के प्रारम्भ की दिनांक 28.05.2018 एवं पूर्ण होने की दिनांक 27.05.2022 है। कार्य नियत समय पर प्रारम्भ किया जाकर प्रगतिरत है।

परियोजना के प्रथम चरण में नहरी तन्त्र निर्माण के द्वितीय चरण में 0.70 लाख हैक्टेयर क्षैत्र में नहरी तंत्र निर्माण हेतु राशि रू. 780.78 करोड़ का कार्यादेश M/S MEIL-JWIL (JV) के पक्ष में जारी किया जा चुका है। कार्य प्रारम्भ होने की दिनांक 14.10.2018 एवं कार्य पूर्ण होने की दिनांक 13.10.2021 है। कार्य नियत समय पर प्रारम्भ किया जाकर प्रगतिरत है।

परियोजना पर व्ययः— परियोजना पर वर्ष 2019—20 में स्वीकृत बजट प्रावधान राशि रू. 550.00 करोड के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक राशि रू. 549.13 करोड का व्यय किया गया है।

गंग नहर प्रणाली का आधुनिकीकरण

गंगनहर का निर्माण वर्ष 1922—27 की अवधि में बीकानेर रियासत के भूतपूर्व महाराजा श्री गंगासिंह जी के शासन काल में हुआ था। गंगानगर जिले की तीन प्रमुख नहर प्रणालियों में से गंग नहर प्रणाली एक है। चूने से बनी बीकानेर नहर की कुल लम्बाई 129 कि.मी. है, जिसमें से प्रथम 112 कि.मी. लम्बाई पंजाब राज्य में है। इस नहर की शीर्ष स्थल पर अधिकृत क्षमता 2720 क्यूसेक एवं कुल सिंचित क्षेत्र 3.08 लाख हैक्टेयर (7.60 लाख एकड़) हैं।

गंग नहर प्रणाली की 445.79 करोड़ रूपये लागत की आधुनिकीकरण परियोजना की स्वीकृति केन्द्रीय जल आयोग द्वारा दिनांक 31.05.2000 को जारी की गई। परियोजना की लागत बढ़ जाने के कारण संशोधित तखमीना रू0 621.42 करोड़ का केन्द्रीय जल आयोग नई दिल्ली द्वारा अनुमोदन हो चुका है। योजना आयोग से संशोधित लागत की स्वीकृति दिनांक 31.12.2011 को जारी हो चुकी है। योजना के पूर्ण होने पर 710.45 क्यूसेक पानी के लोसेज की बचत होगी। गंग नहर के आधुनिकीकरण से नहर की सिंचाई सघनता 60 प्रतिशत से बढ़कर 79 प्रतिशत हो गई है, जिसके कारण किसान लाभान्वित हुए हैं।

परियोजना पर व्ययः— वर्ष 2019—20 में परियोजना पर 2.00 करोड़ रू0 के बजट प्रावधान के विरूद्व माह दिसम्बर, 2019 तक 1.23 करोड़ रू0 व्यय किये जा चुके है।

धौलपुर लिफ्ट सिंचाई एवं पेयजल परियोजना

धौलपुर लिफ्ट सिंचाई एवं पेयजल परियोजना के निर्माण हेतु कार्यादेश राशि रू. 772.00 करोड दिया जाकर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। उक्त परियोजना से धौलपुर, राजाखेडा एवं सेंपऊ तहसील के 256 गांवो में 39980 हैक्टेयर क्षेत्र को सिंचित किया जाना

प्रस्तावित है एवं धौलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल हेतु 10 प्रतिशत पानी आरक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

परियोजना पर व्ययः– परियोजना पर वर्ष 2019–20 में बजट प्रावधान राशि रू. 200.00 करोड के विरूद्व माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू. 175.60 करोड़ व्यय किये जा चुके है।

ईसरदा पेयजल आपूर्ति परियोजना

ईसरदा बांध परियोजना का निर्माण दो चरणों में किया जाना है। प्रथम चरण की वित्तीय स्वीकृति मुख्य अभियन्ता पी.एच.ई.डी द्वारा 1038.65 करोड रू. की जारी की जा चुकी है। परियोजना को प्रथम चरण में आर.एल 262 मीटर तक की भराव क्षमता 10.77 टी.एम.सी. का बनाया जाना प्रस्तावित है। परन्तु प्रथम चरण में बांध मे जल संग्रहण आर. एल 256 मीटर तक किया जायेगा, जिसकी जल संग्रहण क्षमता 3.24 टी.एम.सी होगी। ईसरदा बांध निर्माण परियोजना का राशि रू. 615.17 करोड का कार्यादेश दिया जा चुका है। उक्त परियोजना वर्तमान मे प्रगतिरत है एवं कार्य दिसम्बर 2021 तक पूर्ण कराया जाना प्रस्तावित है।

"पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना"

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना राजस्थान प्रदेश की एक महत्वकांक्षी परियोजना है, जिसमें मानसून के दौरान कुन्नू, कुल, पार्वती, कालीसिंध, मेज नदी बेसिनों के अधिशेष जल को बनास, मोरेल, बाणगंगा, पार्बती, कालीसिल, गंभीर इत्यादि नदी बेसिनों में डाले जाने हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है जिसकी अनुमानित लागत रूपये 37247.12 करोड़ है। इस परियोजना द्वारा राजस्थान के 13 जिलों यथा झालावाड, बांरा, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेंर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर एवं धौलपुर में मनुष्य एवं जानवरों के लिए वर्ष 2051 तक पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। इस योजना मे 26 वृहद् एवं मध्यम सिंचाई परियोजना में पानी डाला जाना प्रस्तावित है जिसके द्वारा 0.8 लाख हैक्टेयर विद्यमान सिंचित क्षेत्र का कायाकल्प किया जाना प्रस्तावित है। इस योजना से पॉच जिलो में 2.0 लाख हैक्टेयर नये सिंचित क्षेत्र की सिंचाई किया जाना प्रस्तावित है। इस योजना में उघोगों एवं डी.एम.आई.सी. के लिए भी पानी का प्रावधान रखा गया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केन्द्रीय जल आयोग को आवश्यक अनुमोदन के लिए दिनांक 19.11.2017 को प्रस्तुत कर दी गई है। परियोजना केन्द्रीय जल आयोग में परीक्षणाद्यीन है। केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं पर प्राप्त टिप्पणीयों की पालना विभाग द्वारा की जा रही है।

नवनेरा बैराज परियोजना

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत कोटा जिले की दीगोद तहसील के ग्राम ऐबरा के पास कालीसिन्ध नदी पर नौनेरा बैराज के निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा राशि 1595 करोड़ की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दिनांक 20.07.2018 को जारी की गई है। नवनेरा बैराज निर्माण हेतु राशि रू. 601.02 करोड़ का कार्यादेश दिनांक 04.10.2018 को जारी कर दिया गया है। कार्य शुरू करने की दिनांक 14.10.2018 तथा कार्य पूर्ण करने की दिनांक 13.10.2022 हैं। वास्तविक रूप से कार्य दिनांक 14.10.2018 से प्रारम्भ कर दिया गया है। बांध की कुल लम्बाई 1404 मीटर (OF-522 मीटर, NOF 40 मीटर, Earthen Dam 842 मीटर) हैं। बैराज निर्माण में कुल जल भराव क्षमता 226.65 मिलियन घन मीटर हैं जो कि 15 मीटरX16 मीटर साईज के 27 रेडियल गेट के द्वारा भराव सुनिश्चित किया जावेगा। नौनेरा बैराज से पेयजल हेतु जनस्वास्थ्य अभियात्रिंकी विभाग की मांग अनुसार 54.00 Mcum जल आरक्षित करना प्रस्तावित है।

परियोजना पर व्ययः– परियोजना पर वर्ष 2019–20 में बजट प्रावधान रू. 24.99 करोड के विरूद्व माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू. 24.97 करोड़ व्यय किये जा चुके है।

मध्यम सिंचाई परियोजनाएं

विभाग की वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान कुल 6 मुख्य मध्यम सिंचाई परियोजनाएं गरड़दा, तकली, गागरिन, ल्हासी राजगढ़ एवं हथियादेह प्रगतिरत हैं। वर्ष 2019–20 में मध्यम सिंचाई परियोजनाओं हेतु कुल रू0 246.15 करोड़ का प्रावधान रखा गया है जिसमें से माह दिसम्बर, 2019 तक 133.46 करोड़ रू0 व्यय किये जा चुके है।

गरड़दा सिंचाई परियोजनाः– यह परियोजना मांगली डूंगरी नदी व गणेश नाला पर ग्राम होलासपुरा जिला बून्दी में निर्माणाधीन थी। परियोजना से बून्दी जिले के 44 ग्रामों की 9161 हैक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराया जाना तथा पेयजल हेतु बांध में 5.0 मि0घ0मी0 जल आरक्षित रखा जाना प्रस्तावित है।

परियोजना का बांध 15 अगस्त 2010 को प्रथम भराव के समय आर.डी 1900 मी0 से 1960 मी0 के मध्य क्षतिग्रस्त हो गया। परियोजना की बांध निर्माण के दौरान प्रशासनिक स्वीकृत लागत रू. 147.04 करोड़ थी। क्षतिग्रस्त भाग के पुनः निर्माण एवं अक्षतिग्रस्त भाग के उपचार हेतु पुनः संशोधित प्राशासनिक स्वीकृति दिनांक 07.08.2013 को राशि रू. 246.16 करोड़ की जारी की गई। केन्द्रीय जल आयोग के सुझाव एवं अक्षतिग्रस्त भाग हेतु जारी निर्माण ड्राईंग के अनुसार संवेदक द्वारा कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। कार्यादेश दिनांक 16.08.2017 को जारी किया गया तथा कार्य दिनांक 20.02.2020 तक पूर्ण किया जाना निर्धारित है। वर्ष 2019–20 में परियोजना हेतु 60.00 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 33.26 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

तकली सिंचाई परियोजना : यह परियोजना तकली नदी पर ग्राम धानक्या जिला कोटा में निर्माणाधीन है। बांध की भराव क्षमता 33.74 मिलियन घन मीटर से 31 गांवों को 7800 है0

भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। परियोजना की पुनः संशोधित लागत रू. 13143.78 लाख है। परियोजना के अन्तर्गत बांध एवं नहर कार्य प्रगतिरत है। वर्ष 2019–20 में परियोजना हेतु 30.00 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 16.05 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

गागरिन सिंचाई परियोजना : यह परियोजना आहू नदी पर गांव काला पीपल जिला झालावाड़ में निर्माणाधीन है। इस परियोजना से 9999.83 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। परियोजना की पुनः संशोधित लागत 284.79 करोड़ रूपये है। परियोजना का बांध कार्य पूर्ण हो चुका है। नहरी तंत्र का सम्पूर्ण निर्माण कार्य माह जून 2020 तक पूर्ण किया जाना सम्भावित है। वर्ष 2019–20 में परियोजना हेतु 30.00 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 38.46 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

ल्हासी सिंचाई परियोजना : यह परियोजना ल्हासी नदी पर खजुरिया ग्राम जिला बारां में निर्माणाधीन है। इस परियोजना से 2539 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा तथा छबडा एवं छीपाबडौद कस्बों को पेयजल की सुविधा तथा छबडा थर्मल पावर स्टेशन हेतु भी जल उपलब्ध कराया जायेगा। परियोजना की पुनः संशोधित लागत 204.23 करोड़ रूपये है। परियोजना का बांध कार्य पूर्ण हो चुका है। मुख्य नहर एवं वितरिकाओं का कार्य प्रगतिरत है। वर्ष 2019–20 में परियोजना हेतु 10 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 4.97 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

राजगढ़ सिंचाई परियोजना : यह परियोजना कन्ठाली एवं आहू नदियों पर ग्राम राजगढ़ जिला झालावाड़ में निर्माणाधीन है। परियोजना की संशोधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति राशि रू. 386.82 करोड है। परियोजना से झालावाड जिले के 25 गावों की 6827 है0 भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी तथा पेयजल हेतु 10 मि0 घ0मी0 जल आरक्षित रखा जायेगा। परियोजना के बांध कार्य लगभग 99.50 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है एवं मुख्य नहर (23.65 किमी.) का निर्माण कार्य जून 2020 तक पूर्ण कर लिया जावेगा तथा 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वितिरिका एवं माईनर के निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं 92 प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है। वर्ष 2019–20 में परियोजना हेतु 20.00 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 20.20 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

हथियादेह सिंचाई परियोजना :– हथियादेह मध्यम सिंचाई परियोजना स्थानीय नदी पर ग्राम करवरी खुर्द तह. किशनगंज जिला बारां मे प्रस्तावित है। परियोजना के निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा राशि रू. 232.53 करोड की प्रशासनिक एंव वित्तीय स्वीकृति दिनांक 14.12. 2016 को जारी की जा चुकी है। परियोजना से बारां जिले के 46 ग्रामों की 8979 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जावेगी। परियोजना के अन्तर्गत मुख्य बांध निर्माण

हेतु दिनांक 05.10.2018 को राशि रू. 61.75 करोड का कार्यादेश जारी किया जाकर, कार्य प्रारम्भ करवाया जा चुका है। वर्ष 2019–20 में परियोजना हेतु 70.40 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 0.32 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना

यूरोपियन यूनियन– राज्य सहभागिता कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति

यूरोपियन यूनियन–राज्य सहभागिता कार्यक्रम राज्य के जल क्षेत्र में नीति आधारित सुधारों हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास है । इसका उद्देश्य राजस्थान सरकार को जल के क्षेत्र में सुधारों को अपनाने में सहायता प्रदान करना एवं पंचायती राज संस्थानों को जल प्रबंधन के क्षेत्र में सक्षम बनाना है। यूरोपियन संघ–राज्य सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान सरकार की राज्य जल नीति बनवाने एवं राज्य जल नीति को राज्य स्तर पर 17 फरवरी, 2010 को अपनाने में सहयोग प्रदान किया।

इस कार्यक्रम के छः मुख्य घटक हैं :

- राज्य जल संसाधन एवं आयोजना विभाग को जल के क्षेत्र में सुधार हेतु सहयोग देना।
- स्थायी जल अभियान।
- जल से सम्बन्धित विभागों का संस्थागत विकास।
- पंचायती राज संस्थानों एवं उपभोक्ता समूहों का संस्थागत सशक्तीकरण।
- पंचायती राज संस्थानों एवं उपभोक्ता समूहों का क्षमता संवर्द्धन।
- पंचायती राज संस्थान एवं उपभोक्ता समूह योजनाओं का निवेश घटक।

इस कार्यक्रम को यूरोपियन–यूनियन द्वारा लगभग रूपये 450 करोड़ (80 मिलियन यूरो) का अनुदान प्रदान किया जा रहा है । इस संदर्भ में दिनांक 11.08.2006 को एक समझौते पर दोनों पक्षों राज्य सरकार एवं यूरोपियन यूनियन द्वारा हस्ताक्षर किये गये । यह कार्यक्रम जनवरी, 2007 से प्रारम्भ हुआ।

अब तक इस कार्यक्रम के अन्तर्गत यूरोपियन–यूनियन द्वारा 418.83 करोड़ रूपये का अनुदान विभिन्न किश्तों में राज्य को प्राप्त हो चुका है। राज्य में यह कार्यक्रम राज्य जल संसाधन आयोजना विभाग द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों पर कुल 414.11 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं।

वर्ष वार वित्तीय खर्चे इस प्रकार हैं:

खर्चे का विवरण:

(लाखों में)

विवरण	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	कुल खर्चा
वर्षवार ई.यू.एस. पी.पी. का खर्चा	835.02	1434.10	2199.19	190.23	1370.82	3441.57	7133.09	5216.52	6932.57	4985.53	2633.91	4622.47	305.19	110.40	41410.61

राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना

राज्य में स्थित बॉधों एवं नहरों के पुनरूद्वार के लिए राजस्थान जल क्षेत्र आजीविका सुधार परियोजना (आर.डब्ल्यू.एस.एल.आई.पी.) जायका से सहायता प्राप्त करने हेतु स्वीकृत की गई है। इसमें राज्य के 27 जिलों में 137 सिंचाई परियोजनाएॅ सम्मिलित की गई है। इस परियोजना से 4.70 लाख हैक्टर सिचिंत क्षेत्र को लाभ मिलेगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत रूपये 2348.87 करोड है। परियोजना की कार्य अवधि 8 वर्ष है।

परियोजना के अन्तर्गत भाखड़ा केनाल सिस्टम, गुड़गांव केनाल सिस्टम, सहित राज्य के 27 जिलों अजमेर, अलवर, सीकर, करौली, टोंक, सवाईमाधोपुर, धौलपुर, भरतपुर, बारां, झालावाड़, बून्दी, कोटा, उदयपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, भीलवाड़ा, राजसमन्द, पाली, जालौर, झुंझुनू सिरोही, दौसा, जयपुर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर की लघु, एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं को सम्मिलित किया गया है।

उक्त परियोजना के लिए जायका से वित्तीय सहायता हेतु दो ट्रेन्च मे लोन एग्रीमेन्ट किया जायेगा। प्रथम ट्रेन्च की कुल राशि रुपये 1069.40 करोड है। जिसमें जायका हिस्सा राशि रुपये 908.94 करोड एवं राज्य सरकार हिस्सा राशि रुपये 160.46 करोड़ होगी। जापान इन्टरनेशनल कॉपरेशन एजेन्सी (जायका) जापान तथा भारत सरकार के मध्य परियोजना के प्रथम ट्रेन्च हेतु राशि 13725 मिलियन येन का ऋण अनुबन्ध दिनांक 31.03.2017 को किया गया है। ऋण अनुबन्ध दिनांक 26 अक्टूबर, 2017 से प्रभावी हो गया है।

परियोजना तीन चरणों में पूर्ण की जावेगी। परियोजना के प्रथम चरण में 34 उप परियोजनाओं के जीर्णोद्धार कार्य करवाये जायेंगे। प्रथम चरण की 34 उप परियोजनाओं में से 31 उपपरियोजनाओं की निविदा आमंत्रित कर कार्यादेश दिये जा चुके है एवं कार्य प्रगति पर है। शेष 03 कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जा रही हैं।

परियोजना के प्रथम चरण में हुई बचत के विरूद्ध 29 अतिरिक्त उपपरियाजनाओं के राशि रूपये 256.44 करोड़ के कार्य सम्मलित किये गये हैं। इनमें से 8 उपपरियोजनाओं की निविदा आमत्रित की जा चुकी हैं।

परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु 276.47 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 147.00 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना

जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, परियोजना की कुल लागत रू0 128 करोड़ (भारत सरकार से 100% अनुदान), एवं परियोजना की अवधि 8 वर्ष (2016–2024) है। परियोजना का कार्य क्षेत्र पूरे राज्य में है।

परियोजना के तहत स्वतः बारिश का मापन, बांधों का गेज मापन, स्वचालित मौसम स्टेशन, नदियों में स्वचालित जल स्तर रिकार्डर, सतह और भूमिगत जल की गुणवत्ता का सेंसर से मापन और पानी की गुणवत्ता प्रयोगशाला की स्थापना, क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय जल संबंधी डाटा केंद्र की स्थापना एवं संधारण, राज्य के महत्वपूर्ण बांधों गुढा, माही, बीसलपुर, जवाई पर स्कॉडा प्रणाली की स्थापना एवं गंग भांखडा नर्मदा कैनाल पर स्कॉडा स्थापित करने का प्रस्ताव है। जल संसाधन प्रबंधन के तहत सूखे और बाढ़ की भविष्यवाणी के लिए, जल के बेहतर उपयोग एवं प्रबन्धन के लिए GIS आधारित एवं निर्णय समर्थन प्रणाली (decision support system) को क्रियान्वित किया जाएगा। जिसमें वर्षा अपवाह मॉडलिंग, सिंचाई में जल उपयोग दक्षता आदि गतिविधियों को इस के तहत किया जाएगा। जल प्रबंधन और वितरण में लगे विभिन्न संस्थानों के सुदृढ़ीकरण, ढ़ांचागत विकास और प्रोद्यौगिकी से संबंधित सुविधाओं को प्रदान करके सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न हितधारकों का क्षमता निर्माण, क्षेत्रीय और वैश्विक प्रशिक्षण के माध्यम से किया जाएगा।

राज्य सरकार को अब तक रूपये 10.27 करोड़ की राशि प्राप्त हो चुकी है एवं रूपये 5.31 करोड़ व्यय किया जा चुका है। वर्तमान में लगभग रूपये 25 करोड़ की राशि के कार्य के कार्यादेश दिये जा चके हैं एवं कार्य प्रगतिरत है तथा लगभग रूपये 16 करोड़ के कार्य की निविदायें आमंत्रित की जा चुकी है।

लघु सिंचाई परियोजनाए

कम समय तथा कम लागत में सिंचाई सुविधा के विस्तार में लघु सिंचाई परियोजनाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान है। अतः राज्य सरकार लघु सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण के प्रति सजग है तथा इनको पूर्ण करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाया है। माह दिसम्बर 2019 में 45 लघु सिंचाई परियोजनाएं प्रगतिरत है। प्रगतिरत 45 लघु सिंचाई परियोजनाओं में से 23 लघु सिंचाई परियोजनाएं जनजाति उपयोजना क्षेत्र की एवं 12 परियोजनाएं नाबार्ड के अन्तर्गत प्रगतिरत है।

लघु सिंचाई परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के लिए नाबार्ड से आर0आई0डी0एफ0 के अन्तर्गत ऋण सुविधा प्राप्त की जा रही है। लघु सिंचाई परियोजनाओं के लिए राज्य योजनान्तर्गत वर्ष 2019–20 में 212.06 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया गया है, जिसके विरूद्ध माह–दिसम्बर, 2019 तक 160.23 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं।

फोर वाटर कॉन्सेप्ट

फोर वाटर कॉन्सेप्ट के अन्तर्गत वर्षा जल, सतही जल, मृदा जल एवं भू–जल के समुचित उपयोग हेतु माही बेसिन व चम्बल बेसिन में पायलेट परियोजनान्तर्गत क्रमशः बुनांद नदी एवं आहू नदी पर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं चैक डेम के कार्य प्रारम्भ किये गये। इसके उपरान्त परियोजना को संपूर्ण राज्य में लागू किया जाकर माही, चम्बल, साबरमती, लूनी, सूकली एवं पश्चिमी बनास, गंभीर, बनास, शेखावाटी एवं पार्वती बेसिन में माइक्रो सिंचाई योजना एवं चैक डेम के विभाग के अन्तर्गत कुल 376 कार्य राशि रू 767.75 करोड के स्वीकृत किये गये है, इन कार्यो में 327 माइक्रो सिंचाई योजना, एवं 1 कार्य जयपुर जिले में पायलट परियोजना के तहत फोर वाटर अंर्न्तगत जल स्वावलंम्बन अभियान में एवं 48 चैक डेम के कार्य शामिल किये गये है । वन क्षेत्र में स्थित 50 माइक्रो स्टोरेज टैक कार्य राशि रू 87.39 करोड के स्वीकृत किये गये है। 2019–20 में फोर वाटर कॉन्सेप्ट परियोजना पर कुल 60.00 करोड रूपये का वित्तिय प्रावधान रखा गया है जिसके विरूद्व माह दिसम्बर 2019 तक 39.23 करोड रूपये व्यय किये गये है।

- **माही बेसिनः–** माही बेसिन में स्थित बांसवाडा, उदयपुर एवं प्रतापगढ जिलों में कुल 134 माइक्रो सिंचाई योजना कार्य राशि रू 194.40 करोड, 18 माइक्रो स्टोरेज टैक कार्य राशि रू 23.87 करोड एवं 17 चैक डेम राशि रू 11.32 करोड के स्वीकृत किये गये है। पायलट परियोजना अंर्न्तगत 6 माइक्रो सिंचाई योजना एवं 17 चैक डेम के कार्य एवं नान पायलट परियोजना अंर्न्तगत 118 माइक्रो सिंचाई योजना के कार्य पूर्ण किये गये है तथा 1 माइक्रो सिंचाई योजना का कार्य प्रगतिरत है। माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 160.91 करोड व्यय किये गये है। वन क्षेत्र में स्थित 18 माइक्रो स्टोरेज टैक कार्यो में से 17 कार्य पूर्ण किये गये है उक्त कार्यो पर माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 8.44 करोड व्यय किये गये है।

- **चम्बल बेसिनः–** चम्बल बेसिन में स्थित झालावाड, बारां, कोटा एवं बून्दी जिलों में कुल 87 माइक्रो सिंचाई योजना कार्य राशि रू 220.72 करोड, 25 माइक्रो स्टोरेज टैक कार्य राशि रू 46.89 करोड एवं 31 चैक डेम राशि रू 24.46 करोड के स्वीकृत किये गये है। पायलट परियोजना अंर्न्तगत 9 माइक्रो सिंचाई योजना एवं 31 चैक डेम के कार्य पूर्ण किये गये है एवं नान पायलट परियोजना अंर्न्तगत 78 माइक्रो सिंचाई योजना के कार्य पूर्ण किये गये है। माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 194.51 करोड व्यय किये गये है। वन क्षेत्र में स्थित 25 माइक्रो स्टोरेज

टैक कार्यो में से 22 कार्य पूर्ण किये गये है। उक्त कार्यो पर माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 10.77 करोड व्यय किये गये है।

- **लूनी सुकली एवं वेस्ट बनास बेसिनः–** लूनी सुकली एवं वेस्ट बनास बेसिन में स्थित सिरोही एवं जालौर जिले में कुल 46 माइक्रो सिंचाई योजना कार्य राशि रू 120.82 करोड, 7 माइक्रो स्टोरेज टैक कार्य राशि रू 16.63 करोड के स्वीकृत किये गये है नान पायलट परियोजना अंर्न्तगत 43 माइक्रो सिंचाई योजना के कार्य पूर्ण किये गये है। माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 100.69 करोड व्यय किये गये है। वन क्षेत्र में स्थित 7 माइक्रो स्टोरेज टैक कार्यो में से 7 कार्य पूर्ण किये गये है। उक्त कार्यो पर माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 10.77 करोड व्यय किये गये है।

- **गम्भीर, बनास, शेखावाटी एवं पार्वती बेसिनः–** बनास, गम्भीर शेखावाटी एवं पार्वती बेसिन में स्थित सवाईमाधोपुर, करौली सीकर एवं धौलपुर जिलो में कुल 60 माइक्रो सिंचाई योजना कार्य राशि रू 194.03 करोड के स्वीकृत किये गये है एव 1 कार्य फोर वाटर अंर्न्तगत जल स्वावलंम्बन अभियान में पायलट परियोजना के तहत जयपुर जिले में 2.00 करोड का स्वीकृत किया गया है । नान पायलट परियोजना अंर्न्तगत 59 माइक्रो सिंचाई योजना के कार्य आदेश दिये गये है। नान पायलट परियोजना अंर्न्तगत 49 माइक्रो सिंचाई योजना के कार्य पूर्ण किये गये है, एवं 11 माइक्रो सिंचाई कार्य निरस्त किये गये है। माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 95.22 करोड व्यय किये गये है। फोर वाटर अंर्न्तगत जल स्वावलंम्बन अभियान में पायलट परियोजना के तहत जयपुर जिले में स्वीकृत जलग्राम गहलोता का कार्य पूर्ण हो चुका है जिस पर माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू 1.22 करोड व्यय किये गये है।

फोर वाटर कॉन्सेप्ट के अन्तर्गत राजस्थान में नदी क्षेत्रों के समेकित विकास हेतु सिचित क्षेत्र विकास, जलागम क्षेत्र का विकास, मृत प्रायः नदियों को जीवित करना एव नदियों को आपस में जोडना चार दीर्घकालीन उपायों पर ध्यान केन्द्रित कर कार्य किये गये है।

वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स के कार्य

वर्ष 2002 में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स के कार्यों हेतु जिलेवार मास्टर प्लान बनाये गये थे, जिससे इन जिलों में विभिन्न ऐजेन्सियों द्वारा पूर्व में कराये गये कार्यों व भविष्य में कराये जाने वाले कार्यों को अंकित किया गया था। वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स कार्यों के अन्तर्गत एनीकट्स, सब–सरफेस बेरियर, चैक डेम, खड़ीन, तालाब इत्यादि को सम्मिलित किया गया था।

गत 18 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न जिलों में 3486 कार्य रूपये 1196.15 करोड़ के स्वीकृत किये गये हैं, जिसमें से माह मार्च, 2019 तक 3030 कार्य पूर्ण

कर 860.58 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके हैं। वर्ष 2019–20 में वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों पर 50.00 करोड रूपये का बजट प्रावधान स्वीकृत है, जिसमें से माह दिसम्बर 2019 तक वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों पर 36.12 करोड रूपये की राशि व्यय हुई है।

रेगिस्तान क्षेत्र में राजस्थान जल क्षेत्र पुनःसंरचना परियोजना

इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण की नहरों की री–लाईनिंग/री–हैब्लीटेशन के कार्य, सेम समस्या के निराकरण एवं इन्दिरा गांधी फीडर की बुर्जी 496 से 671 तक इन्दिरा गांधी मुख्य नहर की बुर्जी 0 से 200 तक के कार्य आर. डब्ल्यू.एस.आर.पी. (राजस्थान वाटर सेक्टर रीस्ट्रेक्चर प्रोग्राम इन डेजर्ट एरिया) के अन्तर्गत करवाये जा रहे हैं। आर.डब्ल्यू.एस.आर.पी.डी. के कार्यों के लिए ब्रिक्स के एन.डी.बी. बैंक से दिनांक 13.02.18 को ऋण अनुबन्ध किया गया है। 3290.63 करोड़ के कार्यों को तीन चरणों में करवाया जाना है। जिसमें से प्रथम चरण में वितरण प्रणाली एवं इ.गा.फी./इ.गा. मु.नहर की रिलाईनिंग के कार्य करवाये जायेगें। इसके अन्तर्गत 1046 करोड़ के कार्य प्रगति पर हैं । क्लोजर कार्यों हेतु 160 करोड़ के कार्यों की निविदाएँ प्रक्रियाधीन है तथा 31.12.2019 तक 611 करोड़ रू. व्यय किये जा चुके हैं। जिसके विरूद्ध 2016–17 से 2018–19 तक 350.04 करोड़ रू. तथा चालू वित्तीय वर्ष 2019–20 में 255.12 करोड़ रू. व्यय किये जा चुके हैं। योजनान्तर्गत अप्रैल 2018 में क्लोजर लेकर इन्दिरा गांधी फीडर (हरियाणा भाग) की बुर्जी 496 से आर.डी.620 के मध्य 7 किमी. में तथा अप्रैल 2019 में क्लोजर लेकर इन्दिरा गांधी फीडर/मुख्य नहर की रि–लाईनिंग का कार्य 23.7 किमी. में पूर्ण करवाया गया। अप्रैल–मई, 2020 में 43.43 किमी. लम्बाई में कार्य किया जाना है। कुल 1808.48 किमी. लंबाई में नहरों के पुनरोद्धार के कार्य करवाये जाने निर्धारित हैं। जिसमें से 900.20 किमी. लंबाई में नहरों के पुनरोद्धार के कार्य दिसंबर, 2019 तक तकरवाये जा चुके हैं व शेष कार्य समयबद्ध रूप से करवाया जाना निर्धारित है।

इन्दिरा गांधी फीडर एवं इन्दिरा गांधी मुख्य नहर की री–लाईनिंग के फलस्वरूप 460 क्यू. पानी की बचत, सीपेज लोसेस से होगी एवं वितरण प्रणाली में 712 क्यू. पानी लोसेज में कमी की फलस्वरूप बचत होगी जिससे नहरों के टेल एंड तक पूरा पानी उपलब्ध हो सकेगा एवं काश्तकारों को अतिरिक्त पानी उपलब्ध हो सकेगा ।

इस परियोजना से इन्दिरा गांधी मुख्य नहर तथा नहरीतंत्र के जीर्णोद्धार के पश्चात् अंतिम छोर तक पानी सुगमता से पहुँच सकेगा । मानसून के दौरान फिरोजपुर हैड वर्क्स से पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोककर इन्दिरा गांधी फीडर की डिजाईन क्षमता 18500 क्यू. का पूर्ण उपयोग कर राजस्थान क्षेत्र को लाभान्वित किया जा सकेगा तथा प्रथम चरण के अन्तर्गत पीलीबंगा, सूरतगढ़, रावतसर इत्यादि में सेम की समस्या का निराकरण हो सकेगा।

परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु 207.13 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के विरूद्ध माह दिसम्बर, 2019 तक 241.30 करोड़ रूपये व्यय किये जा चुके है।

निदेशक बांध व नहर आई.डी.एण्ड आर. के कार्यों के सम्बन्ध में विवरण

वित्त वर्ष 2019–20 में माह दिसम्बर 2019 तक की गई बांधों एवं नहरों के कार्यो की डिजाईन ड्राईंग एवं हाईड्रोलोजी स्टडी से संबंधित भौतिक प्रगति का विवरण निम्नानुसार है।

(संख्या इकाई में)

क्र.सं.	कार्य का नाम	वर्ष 2019–20 (दिसम्बर 2019 तक)
(अ)	**ड्राईंग डिजाईन स्वीकृत की गई**	
	1. मध्यम सिंचाई परियोजना	7
	2. लघु सिंचाई परियोजना	3
	3. एनीकट	1
	4. गैट्स	29
	5. एक्वाडक्ट	1
	6. क्रोस रेगूलेटर	7
	7. केनाल सेक्शन	39
	8. अन्य कार्य	3
(ब)	**हाईड्रोलोजी स्टडी की गई**	
	1. मध्यम सिंचाई परियोजना	2
	2. लघु सिंचाई परियोजना	4
	3. एनीकट	8
(स)	**ट्रेनिंग प्रोग्राम**	
	1. ट्रेनिंग एट ओटीएस	8
	2. ट्रेनिंग एट आइएमटीआई कोटा	4
	3. नेशनल/इन्टरनेशनल	34
	4. ई.एस.टी.आई.	3
(द)	**मेटेरियल टेस्टिंग**	
	1. सोयल लेब	301
	2. कोंकरीट लेब	292
	3. केमीकल लेब	33

(य) अन्य कार्य का विवरण

राजस्थान के बडे बांधों की प्री–मानसून रिपोर्ट के तहत 77 बांधों की रिपोर्ट केन्द्रीय जल आयोग के DHARMA सोफ्टवेयर में अपलोड की जा चुकी है एवं पोस्ट मानसून की 45 रिपोर्ट अपलोड कर दी गयी हैं।

(र) बांध पुनरूद्वार एवं सुधार परियोजना के कार्य (DRIP)

राजस्थान के कुल 211 बड़े बांध है। इनकी औसत आयु लगभग 60 वर्ष है एवं कुछ बांध 250–400 वर्ष पुराने है। अपर्याप्त रख–रखाव एवं नवीन उपकरणों/आधुनिकीकरण के अभाव में ये बांध जल संबंधी वर्तमान आवश्यकताओं एवं अपेक्षित क्षमता के अनुरूप कार्य नहीं कर पा रहे है।

विश्व बैंक से ऋण के माध्यम से इन बांधों के लिए बांध पुनरूद्वार एवं सुधार परियोजना (DRIP) 01 अप्रेल, 2020 से आगामी 10 वर्षों हेतु, दो चरणों में (द्वितीय एवं तृतीय) शुरू की जा रही है। इस योजना में राज्य के 189 बांधों हेतु 965.65 करोड़ रूपये प्रारंभिक रूप से केन्द्रीय जल आयोग द्वारा मंजूर किये जा चुके हैं। परियोजना के द्वितीय चरण में 50 परियोजनाओं पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इस योजना में वर्षा की वर्तमान स्थिति अनुसार बांधों में जल की आवक एवं तदानुसार डिजाईन की पुर्नगणना, बांध से जल रिसाव रोकना, गेटों की मरम्मत/बदलने का कार्य, सुदृढ़ीकरण का कार्य, बांधों कें भराव क्षेत्र से मिट्टी निकालने का कार्य, सुरक्षा वृद्वि कार्य, आपातकालीन कार्य योजना बनाना, विश्व स्तरीय विशेषज्ञों द्वारा बांधों का निरीक्षण एवं विभिन्न प्रशिक्षण के कार्य, पर्यटन आदि के कार्य पूर्ण किये जायेंगे।

प्रारंभिक गतिविधियों के तहत परियोजना के सुचारू संचालन हेतु स्टेट प्रोजेक्ट मोनीटरिंग यूनिट का गठन किया जा चुका है। अब तक कुल 116 नंबर बांधों का निरीक्षण, बांध सुरक्षा निरीक्षण दल द्वारा किया जा चुका है, 67 नंबर बांधों की रिव्यू हाईड्रोलोजी को केन्द्रीय जल आयोग द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। विश्व बैंक द्वारा निर्धारित मापदण्डों की पूर्ति हेतु 8 नंबर बांधों की प्रोजेक्ट स्क्रीनिंग टेम्पलेट तैयार कर केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत की जा चुकी है।

सिंचाई प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान कोटा

सिंचाई प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान, कोटा की स्थापना सन् 1984 में USAID के अन्तर्गत की गयी थी। राज्य सरकार का यह यह संस्थान सोसायटी के रूप में दिनांक 27.03.1992 में पंजीकृत है। इसका प्रबन्धन/संचालन प्रमुख शासन सचिव जल संसाधन विभाग की अध्यक्षता में गठित जनरल बॉडी समिति द्वारा किया जाता है। यह संस्थान सिंचाई व्यवस्था, व्यवहारिक ज्ञान एवं इससे जुडी हुई प्रबन्धकीय व्यवस्था की जानकारी उपलब्ध कराता है, इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के सिंचित क्षेत्र में कृषकों के प्रशिक्षण हेतु समय–समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जाते हैं, जिनमें जल प्रबन्धन से सम्बन्धित एवं अधिक उत्पादन हेतु विभिन्न कृषि उत्पादन पहलुओं पर कृषकों एवं अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया जाता है। इन प्रशिक्षण शिविरों में सिंचित क्षेत्र के जल संसाधन एवं कृषि अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा कृषकों की समस्याओं पर गहनता से विचार–विमर्श कर उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है।

हाइड्रोलोजी एण्ड वाटर मैनेजमेंट सेंटर बीकानेर माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा वर्ष 2011–12 की अनुपालना में राजस्थान सरकार के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है। वर्तमान में इस संस्थान ने मुख्य अभियन्ता एवं महानिदेशक सिंचाई प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान, कोटा के प्रशासनिक नियत्रंण में सबसेन्टर के रूप में कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है। संस्थान से विशेषकर प्रदेश के मरू क्षेत्र एवं नजदीकी

जिलों/तहसील/गांवों के प्रशिक्षणार्थियों को सहज प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

कोटा संस्थान हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिये स्वीकृत बजट प्रावधान राशि रू. 473.01 लाख के विरूद्व माह दिसम्बर 2019 तक रुपये 379.39 लाख व्यय किये जा चुके है। इस वर्ष माह दिसम्बर 2019 तक कुल 102 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये है, जिसमें 7765 प्रशिक्षणार्थियों ने विविध विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

इसी प्रकार बीकानेर केन्द्र हेतु वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिये स्वीकृत बजट प्रावधान राशि रू. 220.01 लाख के विरूद्व माह दिसम्बर 2019 तक राशि रू. 168.67 लाख व्यय किये जा चुके है तथा माह दिसम्बर 2019 तक कुल 76 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये है, जिसमें 4035 प्रशिक्षणार्थियों ने विविध विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया हैं।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा वित्त पोषण

केन्द्रीय सरकार द्वारा जल संग्रहण हेतु राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा राज्य सरकार को सिंचाई परियोजनाओं हेतु वित्तीय पोषण दिया जा रहा हैं, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में समुचित विकास करना है, ताकि जल संरक्षण के महत्त्व को ध्यान में रखा जाता रहे।

विभिन्न चरणों में अब तक कुल 3046 मध्यम/लघु सिंचाई परियोजनाएं/ वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स स्वीकृत किये जा चुके हैं, जिनकी लागत रूपये 4470.69 करोड़ है। परन्तु इन कार्यों हेतु शेष राशि रूपये 3852.29 करोड़ आंकी गई है। इससे नाबार्ड में वित्तीय पोषण रूपये 3175.57 करोड़ एवं राज्य सरकार की भागीदारी रू. 676.72 करोड़ है। कुल स्वीकृत 479 मध्यम/लघु सिंचाई परियोजनाओं में से 425 परियोजनाएं पूर्ण एवं 19 प्रगतिरत है। इनमें से 35 परियोजनाऐं निरस्त की गई है। आर.आई.डी.एफ.–प्रथम चरण वर्ष 1995–96 से प्रारम्भ हुआ है तथा वर्तमान में वर्ष 2019–2020 में आर.आई.डी.एफ. का 25वां चरण चल रहा है।

(लागत करोड़ रूपये में)

चरण	संख्या	कुल राशि	नाबार्ड से वित्तीय पोषण	राज्य सरकार की भागीदारी	सिंचित क्षेत्र हैक्टेयर में
1	2	3	4	5	6
आर.आई.डी.एफ.– I	38	175.99	123.51	52.48	85053
आर.आई.डी.एफ.– II	25	51.11	43.56	43.56	13557
आर.आई.डी.एफ.– III	43	98.81	89.23	9.58	19838

आर.आई.डी.एफ.– IV	15	64.82	57.20	7.62	23317
आर.आई.डी.एफ.– V	46	61.77	54.36	7.41	27478
आर.आई.डी.एफ.– VI	1	329.51	106.03	223.48	11500
आर.आई.डी.एफ.– VII	73	235.95	195.21	40.74	21873
आर.आई.डी.एफ.– VIII	0	0	0	0	0
आर.आई.डी.एफ.– IX	3	23.24	20.94	2.30	20162
आर.आई.डी.एफ.– X	1487	141.21	133.01	8.20	1950
आर.आई.डी.एफ.– XI	911	283.27	257.12	26.15	43428
आर.आई.डी.एफ.–XII	184	283.66	251.80	31.86	27314
आर.आई.डी.एफ.–XIII	31	153.05	138.19	14.86	13595
आर.आई.डी.एफ.–XIV	9	15.29	14.53	0.76	7853
आर.आई.डी.एफ.–XV	1	2.19	2.08	0.11	0
आर.आई.डी.एफ.–XVI	0	0	0	0	0
आर.आई.डी.एफ.–XVII	18	360.04	335.03	25.01	11950
आर.आई.डी.एफ.–XVIII	2	25.09	18.68	6.41	300
आर.आई.डी.एफ.–XIX	31	184.17	157.61	25.56	9076
आर.आई.डी.एफ.–XX	13	249.73	209.16	40.57	637
आर.आई.डी.एफ.–XXI	50	212.12	173.88	38.24	5025
आर.आई.डी.एफ.–XXII	39	252.65	187.77	64.87	4836
आर.आई.डी.एफ.–XXIII	22	460.99	437.94	116.52	45110
आर.आई.डी.एफ.–XXIV	04	187.63	168.73	18.90	14282
कुल योग	**3046**	**3852.29**	**3175.57**	**676.72**	**418134**

नाबार्ड से वर्ष 2019–20 में 453.17 करोड़ रूपये के पुनर्भरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में माह दिसम्बर, 2019 तक रूपये 181.38 करोड़ रूपये के व्यय दावे पुनर्भरण हेतु नाबार्ड को भिजवाये गये है, जिनके विरूद्ध 90.22 करोड़ रूपये का पुनर्भरण प्राप्त हो चुका है।

तालिका संख्या 1

राजस्थान में सतही जल से योजनावार सृजित सिंचाई क्षमता (इन्दिरा गॉधी नहर सहित)					
			(सी.सी.ए. लाख हैक्टेयर में)		
क्र. सं.	योजनाकाल	वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं द्वारा (इन्दिरा गॉधी नहर सहित)	लघु सिंचाई परियोजनाओं द्वारा	योग	संचयी योग
	<u>दसवीं पंचवर्षीय योजना तक</u>	30.54	4.31	34.85	**34.85**
	<u>ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना</u>	2.57	0.32	2.89	37.74
	<u>बारहवीं पंचवर्षीय योजना</u>				
1	प्रथम वर्ष (2012–13)	0.17	0.04	0.21	**37.95**
2	द्वितीय वर्ष (2013–14)	0.15	0.01	0.16	**38.11**
3	तृतीय वर्ष (2014–15)	0.085	0.025	0.110	**38.22**
4	चतुर्थ वर्ष (2015–16)	0.069	0.031	0.100	**38.32**
5	पचंम वर्ष (2016–17)	0.108	0.068	0.176	**38.496**
	योग	**0.582**	**0.174**	**0.756**	
1	वर्ष 2017–18	0.020	0.07947	0.09947	38.5955
2	वर्ष 2018 –19	**0.005**	**0.11076**	**0.11576**	**38.7112**
3	वर्ष 2019–20(दिसम्बर 2019 तक)	**0.05**	**0.04793**	**0.09793**	**38.8092**

तालिका संख्या–2

योजनाकाल के अनुसार पूर्ण की गई सिंचाई परियोजनाओं की संख्या

क्र0सं0	योजनाकाल	वृहद एवं मध्यम	लघु सिंचाई परियोजनाएं		योग	संचयी योग
			राज्य योजना	अन्य योजना		
1	2	3	4	5	6	7
	<u>दसवीं पंचवर्षीय योजना तक</u>	113	3273	1822	5208	5208
	<u>ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना</u>	5	39	5504	5548	10756
	<u>बारहवीं पंचवर्षीय योजना</u>					
1	प्रथम वर्ष (2012–13)	1	10	1176	1187	11943
2	द्वितीय वर्ष (2013–14)	0	2	733	735	12678
3	तृतीय वर्ष (2014–15)	0	0	1090	1090	13768
4	चतुर्थ वर्ष (2015–16)	0	3	688	691	14459
5	पचंम वर्ष (2016–17)	0	8	292	300	14759
	योगः	1	23	3979	4003	
1	वर्ष 2017–18	0	0	228	228	14987
1	वर्ष 2018–19	1	4	422	427	15414
1	वर्ष 2019–20 दिसम्बर 2019 तक	0	0	952	952	16366
	कुल योग	**120**	**3339**	**12907**	**16366**	

तालिका संख्या – 3

वर्ष 2019–20 में दिसम्बर 2019 तक राज्य योजनान्तर्गत चालू सिंचाई परियोजनाओं की अधिकतम सिंचाई क्षमता का विवरण

क्रमांक		परियोजना का नाम	जिला	अधिकतम सिंचाई क्षमता (हैक्टेयर में)
1		2	3	4
(अ)	**वृहद परियोजनाएं :–**			**687380**
	1	नर्मदा	जालौर	246000
	2	परवन	झालावाड़	201400
	3	धौलपुर लिफ्ट	धौलपुर	39980
	4	रेगिस्तान क्षेत्र में राजस्थान जल क्षेत्र पुनःसंरचना परियोजना	हनुमानगढ	–
	5	अपर हाई लेवल कैनाल	बांसवाडा	–
	6	पीपलाखूटं हाई लेवल कैनाल	बांसवाडा	–
	7	पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना	13 जिलो में	200000
(ब)	**मध्यम परियोजनाएं :–**			**45306**
	1	तकली	कोटा	7800
	2	गागरिन	झालावाड़	9999.83
	3	ल्हासी	बारां	2539
	4	गरडदा	बूँदी	9161
	5	राजगढ	झालावाड़	6827
	6	हथियादेह	बारां	8979
(स)	**आधुनिकीकरण परियोजनाएं :–**			**96510**
	1	गंग नहर आधुनिकीकरण	श्रीगंगानगर	96510
(द)	**लघु सिंचाई परियोजनाएं :–**			**53722**
	(क)	***जयपुर संभाग***		**4543**
	1	रेंजिग ऑफ मानसरोवर बांध	सवाई माधोपुर	389
	2	खोह	करोली	785
	3	समर सरोवर	अलवर	379
	4	दोहरी माईनर	करोली	1002
	5	लोहलाई	सवाई माधोपुर	1988
	(ख)	***कोटा संभाग***		**16897**
	1	रेवा	झालावाड़	1708
	2	भीमनी	झालावाड़	1948
	3	कनवाडा	झालावाड़	1710
	4	चाकन	बूंदी	1958
	5	खिरिया	बारां	172
	6	अहमदी	बारां	625
	7	संतूरमाताजी	बूंदी	209
	8	बड़ा नया गांव (नाबार्ड)	बूंदी	758
	9	गुराडिया (नाबार्ड)	झालावाड़	1509
	10	रोशनवाडी (नाबार्ड)	झालावाड़	1888

तालिका संख्या – 3

वर्ष 2019–20 में दिसम्बर 2019 तक राज्य योजनान्तर्गत चालू सिंचाई परियोजनाओं की अधिकतम सिंचाई क्षमता का विवरण

क्रमांक		परियोजना का नाम	जिला	अधिकतम सिंचाई क्षमता (हैक्टेयर में)
1		2	3	4
	11	घाटी (नाबार्ड)	झालावाड़	276
	12	फोलाई लिफ्ट (नाबार्ड)	बूंदी	1998
	13	जाखा मंझोला माईनर	बांरा	150
	14	गैंडोली लिफ्ट (नाबार्ड)	बूंदी	1988
	(ग)	*उदयपुर संभाग*		**29226**
	1	पिण्ड	प्रतापगढ़	809
	2	होण्डाखेडा पिकअप वीयर(टीएसपी)(नाबार्ड)	प्रतापगढ़	1998
	3	बीबीएससी (आर.डी कि.मी. 67.89 से 78.88 तक) (MIS-VI) (टीएसपी)	डूंगरपुर	2048
	4	बीबीएससी (आर.डी कि.मी. 78.88 से 91.01 तक) (MIS-VII) (टीएसपी)	डूंगरपुर	1982
	5	बीबीएससी (आर.डी कि.मी. 92.01 से 105 तक).(MIS-VIII) (टीएसपी)	डूंगरपुर	1953
	6	बीबीएससी (आर.डी. कि.मी. 105 से 115 तक) (MIS-IX) (टीएसपी)	डूंगरपुर	1988
	7	बीबीएससी (आर.डी. कि.मी. 115.00 से 118.59 तक) (MIS-X) (टीएसपी)	डूंगरपुर	1909
	8	बीबीएससी (आर.डी. कि.मी.118.59 से 120.84तक) (MIS-XI) (टीएसपी)	डूंगरपुर	1924
	9	वारडोल का नाका(टीएसपी)	डूंगरपुर	90
	10	साबरमती– II(टीएसपी)	उदयपुर	319
	11	बोर का भाटड़ा(टीएसपी)	डूंगरपुर	134
	12	भंवराना कैनाल (टीएसपी)	डूंगरपुर	1995
	13	साबरमती(टीएसपी)(नाबार्ड)	उदयपुर	950
	14	मामेर(टीएसपी)	उदयपुर	336
	15	भंवर सैमला (टीएसपी)	प्रतापगढ़	1295
	16	रीमोडलिंग ऑफ भूंगडा कैनाल MIS-I (आरडी किमी. 2.5 किमी से 28.50 तक)(टीएसपी)	बांसवाडा	1980
	17	कन्सट्रक्शन ऑफ खमेरा कैनाल MIS-II (आरडी किमी. 4. 00 से 8.00 तक)(टीएसपी)	बांसवाडा	1970
	18	कन्सट्रक्शन ऑफ खमेरा कैनाल MIS-III (आरडी किमी. 8.00 से 11.00 तक)(टीएसपी)	बांसवाडा	1100
	19	कन्सट्रक्शन ऑफ खमेरा कैनाल MIS-IV (आरडी किमी. 11.00 से 14.00 तक)(टीएसपी)	बांसवाडा	1961
	20	रेन का नाका (नाबार्ड)	चित्तौडगढ	439
	21	साखेडा माईनर (नाबार्ड)	चित्तौडगढ	166
	22	अम्बापुरा लिफट टी.एस.पी. (नाबार्ड)	बांसवाडा	1733

तालिका संख्या – 3

वर्ष 2019–20 में दिसम्बर 2019 तक राज्य योजनान्तर्गत चालू सिंचाई परियोजनाओं की अधिकतम सिंचाई क्षमता का विवरण

क्रमांक		परियोजना का नाम	जिला	अधिकतम सिंचाई क्षमता (हैक्टेयर में)
1		2	3	4
	23	झांटला माईनर (टीएसपी) (नाबार्ड)	प्रतापगढ़	147
	(घ)	***जोधपुर संभाग***		**3056**
	1	वासा	सिरोही	400
	2	धरिया	पाली	1724
	3	बत्तीसा नाला (नाबार्ड)	सिरोही	932
		कुल योगः–		**882918**

तालिका संख्या 4(अ)

वर्ष 2018–19 में पूर्ण की गई सिंचाई परियोजनाओं की संख्या एवं सृजित सिंचाई क्षमता

क्र0 सं0	जिले का नाम	राज्य योजना अन्तर्गत				नरेगा योजना	योग	
		वृहद एवं मध्यम		लघु परियोजना				
		संख्या	सृजित सिंचाई क्षमता	संख्या	सृजित सिंचाई क्षमता	संख्या	संख्या	सृजित सिंचाई क्षमता
1	2	3	4	5	6	9	10	11
1	अजमेर	0	0	0	0	66	**66**	**0**
2	अलवर	0	0	0	0	2	**2**	**0**
3	बॉसवाड़ा	0	0	0	1700	0	**0**	**1700**
4	बाड़मेर	0	0	0	0	1	**1**	**0**
5	बारां	0	0	0	0	30	**30**	**0**
6	भरतपुर	0	0	0	0	26	**26**	**0**
7	बीकानेर	0	0	0	0	0	**0**	**0**
8	भीलवाड़ा	0	0	0	0	0	**0**	**0**
9	बूँदी	0	0	0	0	75	**75**	**0**
10	चित्तौड़गढ़	0	0	0	0	0	**0**	**0**
11	चुरू	0	0	0	0	0	**0**	**0**
12	धौलपुर	0	0	0	701	0	**0**	**701**
13	दौसा	0	0	0	0	8	**8**	**0**
14	डूँगरपुर	0	0	1	2105	0	**1**	**2105**
15	श्रीगंगानगर	0	0	0	0	0	**0**	**0**
16	हनुमानगढ़	0	0	0	0	0	**0**	**0**
17	जयपुर	0	0	1	68	0	**1**	**68**
18	जैसलमेर	0	0	0	0	0	**0**	**0**
19	जालौर	0	0	1	649	1	**2**	**649**
20	झालावाड़	0	500	0	55	79	**79**	**555**
21	झुन्झुनूं	0	0	0	0	3	**3**	**0**
22	जोधपुर	0	0	0	0	13	**13**	**0**
23	करोली	0	0	0	32	6	**6**	**32**
24	कोटा	0	0	0	81	2	**2**	**81**
25	नागौर	0	0	0	0	2	**2**	**0**
26	पाली	0	0	0	0	28	**28**	**0**
27	राजसमन्द	0	0	0	0	0	**0**	**0**
28	सवाईमाधोपुर	0	0	0	3383	80	**80**	**3383**
29	सीकर	0	0	0	526	0	**0**	**526**
30	सिरोही	1	0	0	65	0	**1**	**65**
31	टोंक	0	0	0	0	0	**0**	**0**
32	उदयपुर	0	0	1	580	0	**1**	**580**
33	प्रतापगढ़	0	0	0	1131	0	**0**	**1131**
34	अन्य परियोजना द्वारा सृजित सिंचाई क्षमता (इ.गा.न.प.)	0	0		0	0	**0**	**0**
	योगः–	**1**	**500**	**4**	**11076**	**422**	**427**	**11576**

तालिका संख्या 5(अ)

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति का संक्षिप्त विवरण

(राशि लाख़ रू0 में/सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क0सं0	परियोजनाओं की श्रेणी	बजट अनुमान (बी0ई0)	माह दिसम्बर, 2019 तक व्यय	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता हेतु लक्ष्य	माह दिसम्बर, 2019 तक उपलब्धि
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	बहुउद्देशीय परियोजनाएं	3125.07	5882.13	0	0
2	वृहद परियोजनाएं	97972.56	89004.25	190	0
3	मध्यम परियोजनाएं	24615.27	13346.08	10000	5000
4	बाढ नियंत्रण कार्य	2800.00	2244.76	0	0
5	जल प्रबंधन सेवाएं	5137.43	2931.15	0	0
6	लघु सिंचाई परियोजनाएं	31756.23	21579.28	12810	4793
7	वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्क्चर्स एव फोर वाटर कन्सेप्ट (चैक डेम)	5010.00	3612.50	0	0
8	उत्तर संभाग	22713.05	32035.83	0	0
9	राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (आरडब्ल्यूएसएलआईपी)	27647.00	14700.26	0	0
10	राज्य भागीदारी सिंचाई परियोजना (ईसी)	399.31	447.37	0	0
	योग	**221175.92**	**185783.61**	**23000**	**9793**

तालिका संख्या 5 (ब)

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की परियोजनावार प्रगति एवं राजस्व प्राप्ति

(राशि लाख रूपये में/सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क्र0सं0		परियोजना का नाम	जिला	वित्तीय प्रगति		भौतिक प्रगति	
				वर्ष 2019–20		वर्ष 2019–20	
				बजट अनुमान (बी0ई0)	माह दिसम्बर, 2019 तक व्यय	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजन का लक्ष्य	माह दिसम्बर, 2019 तक उपलब्धि
1		2	3	4	5	6	7
1. बहुउद्देशीय परियोजनाएं			_	**3125.07**	**5882.13**	**0**	**0**
	1	एडजेस्टमेंट ऑफ बी.बी.एम.बी		0.01	0.00		
	2	हरिदेव जोशी कैनाल (माही)		0.01	0.00		
	3	आरपीएस डेम		100.00	6.25		
	4	जेएस डेम		25.00	0.27		
	5	माही कैनाल सिस्टम		3000.00	5875.61		
	6	पाटन		0.01	0.00		
	7	बागीडोरा		0.01	0.00		
	8	कंगालिया		0.01	0.00		
	9	मूंदडी अम्बा		0.01	0.00		
	10	पटियागली टाण्डी		0.01	0.00		
2. वृहद परियोजनाएं				**97972.56**	**89004.25**	**190**	**0**
	1	कोटा बैराज		0.01	7.39		
	2	सीएमआरसी ऑन चम्बल प्रोजेक्ट		0.00	0.00		
	3	गुडगांव केनाल		0.01	0.00		
	4	यमुना जल परियोजना		55.00	12.50	0	0
	5	नर्मदा (ए.आई.बी.पी.)		11124.35	9958.75	190	
	6	बीसलपुर (सिंचाई)		183.64	180.68		
	7	बीसलपुर (ई.आर.एम)		0.00	0.00		
	8	परवन परियोजना		55000.00	54912.74		
	9	ई.आर.एम. मेजर प्रॉजेक्ट		1500.00	30.84		
	10	जाखम (ई.आर.एम.)		50.00	0.00		
	11	नदी बेसिन प्राधिकरण		555.00	226.62		
	12	यमुना लिंक केनाल		0.01	0.00		
	13	कालीसिंध		5.00	0.00		
	14	धौलपुर लिफ्ट		20000.00	17560.29		
	15	चम्बल बैराज		0.01	0.00		
	16	इन्दरा लिफ्ट		0.01	0.00		

तालिका संख्या 5 (ब)

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की परियोजनावार प्रगति एवं राजस्व प्राप्ति

(राशि लाख रूपये में/सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क्र0सं0		परियोजना का नाम	जिला	वित्तीय प्रगति		भौतिक प्रगति	
				वर्ष 2019–20		वर्ष 2019–20	
				बजट अनुमान (बी0ई0)	माह दिसम्बर, 2019 तक व्यय	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजन का लक्ष्य	माह दिसम्बर, 2019 तक उपलब्धि
1		2	3	4	5	6	7
	17	पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना		2499.50	2497.73		
	18	जयसमंद (ईआरएम)		5000.00	3616.71		
	19	ताजेवाला हैड प्रॉजेक्ट		500.00	0.00		
	20	ब्राहमणी बनास परियोजना		0.01	0.00		
	21	अपर हाई लेवल केनाल ऑन अनास डेम		500	0.00		
	22	अपर हाई लेवल केनाल ऑन नांगलिया पिकअप वियर		500.00	0.00		
	23	अपर हाई लेवल केनाल (माही)		500.00	0.00		
	24	एन.एच.पी.		0.01	0.00		
3 मध्यम परियोजनाएं				**24615.27**	**13346.08**	**10000**	**5000**
	1	सोम कमला अम्बा		0.01	0.00		
	2	परियोजनाओं का पुनर्जीवीकरण/उन्नयन/आधुनिकीकरण/नवीनीकरण		2500.00	1968.52		
	3	परवन लिफ्ट		0.01	0.00		
	4	गरडदा		6000.00	3326.17	2000	
	5	ताकली		3000.00	1604.80	1000	
	6	लहासी		1000.00	497.10	1500	500
	7	पिपलाद		0.01	0.00		
	8	गागरिन		3000.00	3846.32	2000	2000
	9	राजगड		2000.00	2020.47	3500	2500
	10	पार्वती केनाल (ईआरएम)		60.00	50.27		
	11	मेजा फीडर (ईआरएम)		0.01	0.00		
	12	सोमकागदर (ईआरएम)		0.01	0.00		
	13	लसाडिया (ईआरएम)		0.01	0.00		
	14	बस्सी प्रोजेक्ट (ईआरएम)		0.01	0.00		
	15	मनोहरथाना		10.00	0.00		

तालिका संख्या 5 (ब)

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की परियोजनावार प्रगति एवं राजस्व प्राप्ति

(राशि लाख रूपये में/सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क0सं0		परियोजना का नाम	जिला	वित्तीय प्रगति		भौतिक प्रगति	
				वर्ष 2019–20		वर्ष 2019–20	
				बजट अनुमान (बी0ई0)	माह दिसम्बर, 2019 तक व्यय	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजन का लक्ष्य	माह दिसम्बर, 2019 तक उपलब्धि
1		2	3	4	5	6	7
	16	हथियादेह		7040.20	32.43		
	17	अन्धेरी		5.00	0.00		
4 बाढ़ नियंत्रण कार्य				**2800.00**	**2244.76**		
	1	भरतपुर, अजमेर, जयपुर		0.00	0.00		
	2	बाढ़ नियंत्रण कार्य (एसपी)		2800.00	2244.76		
5 जल प्रबंधन सेवाएं				**5137.43**	**2931.15**		
	1	आई.एम.टी.आई. कोटा		473.01	236.50		
	2	आई.एम.टी.आई. बीकानेर		220.02	110.00		
	3	सर्वेक्षण एवं अनुसंधान		3121.62	1729.27		
	4	गुण नियंत्रण		1322.75	855.38		
	5	प्रशिक्षण संस्थान अधीनस्थ अभियंता		0.01	0.00		
	6	शोध एवं विकास प्रोग्राम		0.02	0.00		
6. लघु सिंचाई परियोजनाएं				**31756.23**	**21579.28**	**12810.00**	**4793.00**
	1	चम्बल लिफ्ट स्कीम		50.00	49.89		
	2	लघु सिंचाई निर्माण कार्य (नॉन टाड)		15886.22	12755.39	4133	2034
	3	लघु सिंचाई निर्माण कार्य (टाड)		5300.01	3216.92	8677	2759
	4	फॉर वाटर कॉन्सेप्ट (माइक्रो टेण्क)		6000.00	3923.04		
	5	ई.आर.एम. लघु सिंचाई		2000.00	760.73		
	6	मरूस्थली क्षेत्र में लघु सिंचाई निर्माण कार्य (नॉन टाड)		10.00	45.89		
	7	मरूस्थली क्षेत्र में लघु सिंचाई निर्माण कार्य (टाड)		10.00	4.99		
	8	एम आई इनोवेशन स्कीम (आर आर आर)		2500.00	822.43		

तालिका संख्या 5 (ब)

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की परियोजनावार प्रगति एवं राजस्व प्राप्ति

(राशि लाख रूपये में/सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क्र0सं0		परियोजना का नाम	जिला	वित्तीय प्रगति		भौतिक प्रगति	
				वर्ष 2019–20		वर्ष 2019–20	
				बजट अनुमान (बी0ई0)	माह दिसम्बर, 2019 तक व्यय	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजन का लक्ष्य	माह दिसम्बर, 2019 तक उपलब्धि
1		2	3	4	5	6	7
7	1	**फार वाटर कान्सेप्ट (चैक डेम)**		**10.00**	**0.00**		
	2	**वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रेक्चर्स**		**5000.00**	**3612.50**		
		कुल योग		**170416.56**	**138600.15**	**23000**	**9793**
8		**उत्तर संभाग**		**22713.05**	**32035.83**	**0**	**0**
	1	भाखडा नांगल		100.00	28.11		
	2	गंग केनाल आधुनिकीकरण	श्रीगंगा नगर	200.00	122.61		
	3	रिक्लेमेशन ऑफ वाटर लॉगड एरिया (सेम निवारण)		350.00	79.53		
	4	04–आईजीएनपी 0 से 74 किमी		495.00	457.47		
	5	2 मेगा वाट सोलर पावर प्लांट ऑन आईजीसीपी		0.00	0.00		
	6	04–आईजीएनपी 74 से 89 किमी		355.00	176.71		
	7	05–आईजी फीडर पंजाब		0.02	6647.00		
	8	रतनपुर वितरिका		100.00	35.32		
	9	घग्घर बाढ (नाबार्ड)		400.00	358.60		
	10	मरूस्थल के लिए आरडब्ल्युएसआरपी		20713.03	24130.48		
9		**गुण नियन्त्रण ई.ए.पी. जयपुर**		**27647.00**	**14700.26**		
	1	राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (आरडब्ल्यूएसएलआईपी)		27647.00	14700.26		

तालिका संख्या 5 (ब)

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत सिंचाई परियोजनाओं की परियोजनावार प्रगति एवं राजस्व प्राप्ति

(राशि लाख रूपये में/सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क0सं0		परियोजना का नाम	जिला	वित्तीय प्रगति		भौतिक प्रगति	
				वर्ष 2019–20		वर्ष 2019–20	
				बजट अनुमान (बी0ई0)	माह दिसम्बर, 2019 तक व्यय	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजन का लक्ष्य	माह दिसम्बर, 2019 तक उपलब्धि
1		2	3	4	5	6	7
10		**एस.डब्ल्यू.आर.पी.डी.**		**399.31**	**447.37**		
	1	स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम (ईसी.)		399.31	447.37		
		कुल योग		**221175.92**	**185783.61**	**23000**	**9793**

राजस्व प्राप्तियां			
क्र0स0	राजस्व मद विवरण	31 दिसम्बर 2019 तक राजस्व प्राप्ति लक्ष्य (राशि लाखों में)	31 दिसम्बर 2019 तक प्राप्त राजस्व (राशि लाखों में)
1	सिंचाई कर	3747.48	1000.18
2	औद्योगिक प्रयोजनार्थ जल की बिक्री	175.51	9.16
3	पेयजल हेतु जल की बिक्री	175.50	30.71
4	नहरी बागानों की जल बिक्री	17.23	17.22
5	अन्य प्राप्ति	1418.13	985.85
6	विविध आय	1697.99	365.31
7	प्रोरेटा चार्जेस	835.00	297.51
योग		**8066.84**	**2705.94**

तालिका संख्या 6

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत की गई प्रगति

(राशि लाख रूपये में एवं सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क्र0 सं0	परियोजनाओं का नाम	टीएसपी हेतु प्रावधित राशि वर्ष 2019–20	टीएसपी के अन्तर्गत व्यय राशि (दिसम्बर 2019 तक)	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	
				लक्ष्य	उपलब्धि (दिसम्बर, 2019 तक)
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
अ. बहुउद्देशीय परियोजनाएं		**3017.56**	**5875.61**		
1	एडजेस्टमेंट ऑफ बीबीएमबी	0.00	0.00		
2	हरदेव जोशी केनाल	0.01	0.00		
3	माही केनाल सिस्टम	3000.00	5875.61		
4	पाटन	0.01	0.00		
5	बागीडोरा	0.01	0.00		
6	कांगलिया	0.01	0.00		
7	मूंडरी अंबा	0.01	0.00		
8	पटियांगली टांण्डी	0.01	0.00		
9	आरपीएस डेम	14.00	0.00		
10	जवाहर सागर	3.50	0.00		
ब. वृहद परियोजनाएं :–		**14717.70**	**11429.34**		
1	यमुना जल परियोजना	7.70	1.75		
2	नर्मदा (एआईबीपी)	1400.00	209.98		
3	परवन परियोजना	7700.00	7699.99		
4	ईआरएम वृहद परियोजना	210.00	0.00		
5	जाखम	50.00	0.00		
6	धौलपुर लिफ्ट	2800.00	2634.49		
7	पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना	350.00	350.00		
8	जयसमंद ईआरएम	700.00	533.13		
9	अपर हाई लेवल केनाल अनास डेम	500.00	0.00		
10	अपर हाई लेवल केनाल नागलिया उप वियर	500.00	0.00		
11	अपर हाई लेवल केनाल माही	500.00	0.00		
ब	**मध्यम परियोजनाएं :–**	**3500.00**	**1648.33**		

तालिका संख्या 6

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत की गई प्रगति

(राशि लाख रूपये में एवं सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क्र0 सं0	परियोजनाओं का नाम	टीएसपी हेतु प्रावधित राशि वर्ष 2019–20	टीएसपी के अन्तर्गत व्यय राशि (दिसम्बर 2019 तक)	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	
				लक्ष्य	उपलब्धि (दिसम्बर, 2019 तक)
1	मध्यम सिंचाई परियोजनाओ का पुनर्जीवीकरण/उन्नयन/आधुनिकीकरण/ नवीनीकरण	350.00	291.93		
2	गरडदा	840.00	397.31		
3	टाकली	420.00	243.93		
4	ल्हासी	140.00	56.00		
5	गागरिन	420.00	420.00		
6	राजगड	280.00	237.16		
7	हाथियादेह	1050.00	2.00		
स	**लघु सिंचाई परियोजनाएं :–**	**6787.01**	**3976.57**	**8677.00**	**2759.00**
1	चम्बल लिफ्ट	7.00	7.00		
2	लघु सिंचाई निर्माण कार्य (टाड)	5300.01	3216.92	8677.00	2759.00
3	फॉर वाटर कॉन्सेप्ट माईक्रो टेण्क	840.00	547.34		
4	ईआरएम लघु सिंचाई परियोजना	280.00	86.92		
5	मरूस्थल क्षेत्र के लिए लघु सिंचाई निर्माण कार्य एआईबीपी टाड	10.00	4.99		
6	एम आई स्कीम (आरआरआर)	350.00	113.40		
द	**वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्क्चर्स एव ंफोर वाटर कन्सेप्ट (चैक डेम)**	**700.00**	**453.21**		

तालिका संख्या 6

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत की गई प्रगति

(राशि लाख रूपये में एवं सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क्र0 सं0	परियोजनाओं का नाम	टीएसपी हेतु प्रावधित राशि वर्ष 2019–20	टीएसपी के अन्तर्गत व्यय राशि (दिसम्बर 2019 तक)	अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	
				लक्ष्य	उपलब्धि (दिसम्बर, 2019 तक)
य	**राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट (आरडब्ल्यूएसएलआईपी)**	**3547.29**	**1921.16**		
र	राजस्थान वाटर सेक्टर रिस्टेक्चरिंग प्रोजेक्ट इन डेर्जट (आर.डब्ल्यू.एस.आर. पी).	**2719.55**	**3238.50**		
ल	**राज्य भागीदारी सिंचाई परि. (ईसी)**	**0.00**	**0.00**		
	योग	**34989.11**	**28542.72**	**8677**	**2759**

तालिका संख्या 7

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत की गई वित्तीय प्रगति एवं लाभान्वित परिवारों की संख्या

(राशि लाख रू0 में)

क्र0सं0	परियोजना श्रेणी	प्रावधान			माह दिसम्बर, 2019 तक व्यय			लाभान्वित परिवारों की संख्या	
		बजट आवंटन	अनुसूचित जाति उपयोजना के लिए फ्लो	प्रतिशत फ्लो	कुल व्यय	एस.सी.एस.पी. के लिए फ्लो	प्रतिशत फ्लो	लक्ष्य	माह–दिसम्बर, 2019 तक उपलब्धि
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*	*7*	*8*	*9*	*10*
1	बहुद्देशीय परियोजनाएं	3125.07	22.50	0.72	5882.13	0.00	0.00	0	0
2	वृहद परियोजनाएं	118885.59	27100.60	22.80	113198.16	21692.83	19.16	17	0
3	मध्यम परियोजनाएं	24615.27	4488.71	18.24	13346.08	2441.98	18.30	900	450
4	आधुनिकीकरण परियोजनाएं	200.00	36.00	18.00	122.61	35.68	29.10	0	0
5	लघु सिंचाई परियोजनाएं	31756.23	6293.56	19.82	21579.28	4069.33	18.86	1089	407
6	राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट(आरडब्ल्यूएसएलआईपी)	27647.00	4692.00	16.97	14700.26	2487.81	16.92	0	0
7	जल प्रबंधन सेवाएं	5137.43	862.60	16.79	2931.15	280.28	9.56	0	0
8	बाढ़ नियंत्रण कार्य	3200.00	540.00	16.88	2603.36	519.08	19.94	0	0
9	वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्क्चर्स एव फोर वाटर कन्सेप्ट (चैक डेम)	5010.00	902.00	18.00	3612.50	651.41	18.03	0	0
10	राज्य भागीदारी सिंचाई परियोजना(ईसी)	399.31	0.00	0.00	447.37	0.00	0.00	0	0
11	अन्य	1200.02	1701.47	141.79	7360.71	1516.94	20.61	0	0
	योग	**221175.92**	**46639.44**	**21.09**	**185783.61**	**33695.34**	**18.14**	**2006**	**857**

तालिका संख्या : 8

वर्ष 2019–20 में (माह दिसम्बर 2019 तक) राज्य योजनान्तर्गत चालू विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का जिलेवार विवरण

क्र0 सं0	जिले का नाम	सिंचाई परियोजनाएं						
		बहुउद्देशीय	वृहद	मध्यम	आधुनिकीकरण	लघु	फोर वाटर कन्सेप्ट (माइक्रो सिंचाई परि. + माइक्रो स्टोरेज टेंक)	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	अजमेर	-	-	-	-	-	-	**0**
2	अलवर	-	-	-	-	1	-	**1**
3	बॉसवाड़ा	-	2	-	-	5	0	**7**
4	बाड़मेर	-	-	-	-	-	-	**0**
5	बारां	-	-	2	-	3	-	**5**
6	भरतपुर	-	-	-	-	-	-	**0**
7	बीकानेर	-	-	-	-	-	-	**0**
8	भीलवाड़ा	-	-	-	-	-	-	**0**
9	बूँदी	-	-	1	-	5	-	**6**
10	चित्तौडगढ़	-	-	-	-	2	-	**2**
11	चुरू	-	-	-	-	-	-	**0**
12	धौलपुर	-	1	-	-	-	0	**1**
13	दौसा	-	-	-	-	0	0	**0**
14	डूँगरपुर	-	-	-	-	9	-	**9**
15	श्रीगंगानगर	-		-	1	-	-	**1**
16	हनुमानगढ	-	1	-	-	-	-	**1**
17	जयपुर	-	-	-	-	0	-	**0**
18	जैसलमेर	-	-	-	-	-	-	**0**
19	जालौर	-	1	-	-	0	0	**1**
20	झालावाड़	1	0	2	-	6	-	**9**
21	झुन्झुनूं	-	-	-	-	-	-	**0**
22	जोधपुर	-	-	-	-	-	-	**0**
23	करोली	-	-	-	-	2	0	**2**
24	कोटा	-	1	1	-	-	0	**2**
25	नागौर	-	-	-	-	-	-	**0**
26	पाली	-	-	-	-	1	-	**1**
27	प्रतापगढ़	-	-	-	-	4	0	**4**
28	राजसमन्द	-	-	-	-	-	-	**0**
29	सवाईमाधोपुर	-	-	-	-	2	0	**2**
30	सीकर	-	-	-	-	-	0	**0**
31	सिरोही	-	-	-	-	2	0	**2**
32	टोंक	-	-	-	-	0	-	**0**
33	उदयपुर	-	-	-	-	3	-	**3**
34	अन्य	-		-	-	-	-	**0**
	योगः–	**1**	**6**	**6**	**1**	**45**	**0**	**59**

तालिका संख्या 9

वर्ष 2019–20 में विभिन्न योजना अन्तर्गत चालू लघु सिंचाई परियोजनाओं की संख्या (माह दिसम्बर, 2019 तक) जिलेवार विवरण

क्र0सं0	जिले का नाम	राज्य योजना		नरेगा योजना	योग
		जनजाति क्षेत्र	अन्य		
1	2	3	4	5	8
1	अजमेर	0	0	138	138
2	अलवर	0	1	31	32
3	बॉसवाड़ा	5	0	734	739
4	बाड़मेर	0	0	3	3
5	बारां	0	3	109	112
6	भरतपुर	0	0	142	142
7	बीकानेर	0	0	21	21
8	भीलवाड़ा	0	0	153	153
9	बूँदी	0	5	166	171
10	चित्तौडगढ़	0	2	104	106
11	चुरू	0	0	0	0
12	धौलपुर	0	0	130	130
13	दौसा	0	0	40	40
14	डूँगरपुर	9	0	352	361
15	श्रीगंगानगर	0	0	190	190
16	हनुमानगढ़	0	0	135	135
17	जयपुर	0	0	17	17
18	जैसलमेर	0	0	0	0
19	जालौर	0	0	8	8
20	झालावाड़	0	6	96	102
21	झुन्झुनूं	0	0	20	20
22	जोधपुर	0	0	97	97
23	करोली	0	2	125	127
24	कोटा	0	0	28	28
25	नागौर	0	0	22	22
26	पाली	0	1	207	208
27	प्रतापगढ़	3	2	109	114
28	राजसमन्द	0	0	62	62
29	सवाईमाधोपुर	0	2	93	95
30	सीकर	0	0	30	30
31	सिरोही	0	2	54	56
32	टोंक	0	0	165	165
33	उदयपुर	2	0	80	82
34	अन्य	0	0	0	0
	योग	**19**	**26**	**3661**	**3706**

तालिका संख्या –10

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में राज्य योजनान्तर्गत अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित किये जाने के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों का जिलेवार विवरण

(सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क0 सं0	जिले का नाम	वृहद		आधुनिकीकरण		मध्यम सिंचाई परि.		लघु सिंचाई परि.		योग	
		लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**
1	अजमेर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
2	अलवर	0	0	0	0	0	0	379	379	**379**	**379**
3	बांसवाड़ा	0	0	0	0	0	0	2200	50	**2200**	**50**
4	बाड़मेर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
5	बारां	0	0	0	0	1500	500	0	0	**1500**	**500**
6	भरतपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
7	बीकानेर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
8	भीलवाड़ा	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
9	बूँदी	0	0	0	0	2000	0	300	758	**2300**	**758**
10	चित्तौडगढ़	0	0	0	0	0	0	100	0	**100**	**0**
11	चुरू	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
12	धौलपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
13	दौसा	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
14	डूँगरपुर	0	0	0	0	0	0	4599	2400	**4599**	**2400**
15	श्रीगंगानगर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
16	हनुमानगढ़	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
17	जयपुर	0	0	0	0	0	0	324	67	**324**	**67**
18	जैसलमेर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
19	जालौर	190	**0**	0	0	0	0	0	0	**190**	**0**
20	झालावाड़	0	0	0	0	5500	4500	1630	830	**7130**	**5330**
21	झुन्झुनूं	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
22	जोधपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
23	करोली	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
24	कोटा	0	0	0	0	1000	0	0	0	**1000**	**0**
25	नागौर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
26	पाली	0	0	0	0	0	0	1500	1724	**1500**	**0**
27	राजसमन्द	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
28	सवाईमाधोपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
29	सीकर	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
30	सिरोही	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
31	टोंक	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**	**0**
32	उदयपुर	0	0	0	0	0	0	119	0	**119**	**0**
33	प्रतापगढ़	0	0	0	0	0	0	1659	309	**1659**	**309**
	योगः–	**190**	**0**	**0**	**0**	**10000**	**5000**	**12810**	**6517**	**23000**	**9793**

तालिका संख्या – 11

वर्ष 2019–20 (माह दिसम्बर, 2019 तक) में लघु सिंचाई परियोजनाओं से सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता

(अति0 सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क0सं0	जिले का नाम	राज्य योजना		योग
		जनजाति क्षेत्र	अन्य	
1	2	3	4	5
1	अजमेर	-	-	0
2	अलवर	-	379	379
3	बांसवाड़ा	-	50	50
4	बाड़मेर	-	-	0
5	बारां	-	-	0
6	भरतपुर	-	-	0
7	बीकानेर	-	-	0
8	भीलवाड़ा	-	-	0
9	बूँदी	-	758	758
10	चित्तौडगढ़		-	0
11	चुरू	-	-	0
12	धौलपुर	-	-	0
13	दौसा	-	-	0
14	डूँगरपुर	2400	-	2400
15	श्रीगंगानगर	-	-	0
16	हनुमानगढ़	-	-	0
17	जयपुर	--	67	67
18	जैसलमेर	-	-	0
19	जालौर	-	-	0
20	झालावाड़	-	830	830
21	झुन्झुनूं	-	-	0
22	जोधपुर	-	-	0
23	करोली	-	-	0
24	कोटा	-	-	0
25	नागौर	-	-	0
26	पाली	-	0	0
27	राजसमन्द	-	-	0
28	सवाईमाधोपुर	-	-	0
29	सीकर	-	-	0
30	सिरोही	-	-	0
31	टोंक	-	-	0
32	उदयपुर	-	-	0
33	प्रतापगढ़	309	-	309
	योगः–	**2709**	**2084**	**4793**

तालिका संख्या 12

(राशि लाख रूपये में)

वर्ष 2019–20 (माह12/2019 तक) में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स योजना के अंतर्गत जिलेवार की गई प्रगति									
क्र. स.	जिले का नाम	कुल स्वीकृत कार्यो की संख्या	अनुमानित लागत राशि लाखो में	वर्ष 2018–19 तक पूर्ण कार्यो की संख्या	शेष कार्यो की संख्या	वर्ष 2019–20 में प्रारम्भ नही	वर्ष 2019–20 के प्रगतिरत कार्यो की संख्या	वर्ष 2019–20 पूर्ण कार्यो की संख्या	वर्ष 2019–20 में व्यय राशि (दिसम्बर 2019 तक)राशि लाख रु0 में
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
कोटा संभाग									
1	कोटा	68	3477.64	61	7	5	2	0	147.19
2	बून्दी	57	1557.1	43	14	11	1	2	111.06
3	बारां	89	8314.97	74	15	5	9	1	282.85
4	झालावाड	134	11697.84	104	30	18	3	9	83.18
	योग	**348**	**25047.55**	**282**	**66**	**39**	15	**12**	**624.28**
उदयपुर संभाग									
1	डूंगरपुर	46	10949.55	40	6	2	3	1	303
2	भीलवाडा	242	2559.86	234	8	8	0	0	0
3	चित्तौडगढ	223	4897.88	182	41	35	5	1	744.22
4	प्रतापगढ	45	496.71	43	2	1	1	0	0
5	बांसवाडा	59	4229.8	47	12	5	7	0	128.92
6	उदयपुर	130	9785.28	125	5	3	2	0	122.3
7	राजसमंद	172	1886.39	166	6	4	2	0	52.31
	योग	**917**	**34805.47**	**837**	**80**	**58**	20	**2**	**1350.75**
जोधपुर संभाग									
1	जोधपुर	129	1761.6	105	24	24	0	0	
2	जैसलमेर	18	386.58	7	11	9	2	0	0
3	जालौर	101	1383.02	69	32	30	2	0	
4	बाडमेर	73	1503.28	44	29	16	13	0	426.25
5	नागौर	157	1963.32	137	20	18	2	0	116.53
6	पाली	188	2714.42	163	25	20	5	0	20.01
7	सिरोही	87	519.37	83	4	4	0	0	0
	योग	**753**	**10231.59**	**608**	**145**	**121**	24	**0**	**562.79**

तालिका संख्या 12

(राशि लाख रूपये में)

वर्ष 2019–20 (माह12/2019 तक) में वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स योजना के अंतर्गत जिलेवार की गई प्रगति									
क्र. स.	जिले का नाम	कुल स्वीकृत कार्यो की संख्या	अनुमानित लागत राशि लाखो में	वर्ष 2018–19 तक पूर्ण कार्यो की संख्या	शेष कार्यो की संख्या	वर्ष 2019–20 में प्रारम्भ नही	वर्ष 2019–20 के प्रगतिरत कार्यो की संख्या	वर्ष 2019–20 पूर्ण कार्यो की संख्या	वर्ष 2019–20 में व्यय राशि (दिसम्बर 2019 तक)राशि लाख रु0 में
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जयपुर संभाग									
1	जयपुर	243	2668.23	221	22	20	2	0	24.81
2	दौसा	106	1760.52	105	1	1	0	0	0
3	करौली	66	3069.87	52	14	11	3	0	15.66
4	स0माधोपुर	40	7135.67	39	1	0	1	0	0
5	सीकर	101	917.58	101	0	0	0	0	0
6	चुरु	1	6.93	1	0	0	0	0	0
7	झुन्झुनु	38	327.2	38	0	0	0	0	0
8	अजमेर	543	8535.79	438	105	105	0		0
9	टोंक	92	5301.14	87	5	2	3		23.02
10	भरतपुर	71	854.8	66	5	5	0	0	0
11	अलवर	112	2224.29	109	3	0	3	0	240.58
12	धौलपुर	55	16728.43	46	9	6	3	0	361.92
	योग	**1468**	**49530.45**	**1303**	**165**	**150**	15	**0**	**665.99**
	महोयोग	**3486**	**119615.06**	**3030**	**456**	**368**	74	**14**	**3203.81**

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
	2700–मुख्य सिंचाई	
01	**भाखड़ा नांगल परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	निदेशन तथा प्रशासन	3325.11
	मशीनरी तथा उपस्कर	21.10
	रखरखाव एवं मरम्मत	1412.61
	पूंजी लेखों पर ब्याज	653.71
02	**चम्बल परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	निदेशन तथा प्रशासन/ रखरखाव एवं मरम्मत	796.89
	पूंजी लेखों पर ब्याज	263.95
03	**व्यास परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	निदेशन तथा प्रशासन	7500.00
	रखरखाव एवं मरम्मत	0.00
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
04	**इन्दिरा गांधी नहर परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	निदेशन तथा प्रशासन/ रखरखाव एवं मरम्मत	3335.29
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1318.97
05	**इन्दिरा गांधी नहर फीडर (वाणिज्यिक)**	
	निदेशन तथा प्रशासन/ रखरखाव एवं मरम्मत	1618.50
	पूंजी लेखों पर ब्याज	573.43
06	**गुड़गांव नहर (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	157.75
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
07	**यमुना परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	82.70
08	**जाखम परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	309.12
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1069.08

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
09	**ओखला वेयर परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
10	**नर्बदा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	21977.09
11	**नोहर फीडर परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	60.01
	पूंजी लेखों पर ब्याज	460.86
12	**सिद्धमुख परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	30.02
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1937.41
13	**माही परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	8875.28
14	**बीसलपुर परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	निदेशन तथा प्रशासन	1214.77
	पूंजी लेखों पर ब्याज	3805.10
15	**इन्दिरा लिफ्ट योजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
16	**गंग नहर (वाणिज्यिक)**	
	निदेशन तथा प्रशासन	555.66
	रखरखाव एवं मरम्मत	965.37
	पूंजी लेखों पर ब्याज	4984.34
17	**परवन परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	18523.20
18	काली सिंध (वाणिज्यिक)	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.23
19	परियोजनाओं का पुनर्जीवीकरण/ उन्नयन/ आधुनिकीकरण/ नवीनीकरण (वाणिज्यिक)	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	463.25

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
19	**परियोजनाओं का पुनर्जीवीकरण/ उन्नयन/ आधुनिकीकरण/ नवीनीकरण (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	463.25
20	**धौलपुर लिफ्ट**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1824.46
21	**जयसमन्द ई आर एम**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	417.94
22	**राजस्थान पूर्वी नहर परियोजना**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	171.55
23	**तेजावाला हैड से सरप्लस वॉटर को चरू–झुन्झुनु लाने की योजना**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	18.75
24	**अनास बांध पर अपर हाई लेवल कैनाल (माही नदी)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	18.75
25	**हाई लेवल कैनाल ऑन नांगलिया पिकअप वियर**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	18.75
26	**अपर हाई लवल कैनाल ऑन माही डेम**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	18.75
22	**सामान्य**	
	निदेशन तथा प्रशासन	555.00
	पूंजी लेखों पर ब्याज	2908.83
	2700 योग (मुख्य सिंचाई)	**92243.58**

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
	2701 – मध्यमसिंचाई	
1	जवाई नहर (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	152.67
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
2	मेजा परियोजना (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	194.73
	पूंजी लेखों पर ब्याज	341.53
3	पारवती परियोजना (धौलपुर) (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	506.21
	पूंजी लेखों पर ब्याज	685.96
4	गुढ़ा परियोजना (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	82.59
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
5	मोरेल परियोजना (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	82.74
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
6	अलनिया परियोजना (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	192.85
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
7	पश्चिमी बनास परियोजना (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	22.52
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
8	वल्लभ नगर परियोजना (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	30.93
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
9	बड़गांव परियोजना (वाणिज्यिक)	
	रखरखाव एवं मरम्मत	27.98
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
10	**ओराई परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	59.30
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
11	**जैतपुरा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
12	**गोपालपुरा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
13	**परवन परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
14	**पांचना परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	397.62
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
15	**सोम कमला अम्बा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	292.58
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
16	**डाया परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
17	**झाड़ोल परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
18	**वागन डाइवर्शन परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	75.58
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
19	**लसाड़िया परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
20	**सोमकागदर परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
21	**भीम सागर परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	69.98
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
22	**कोठारी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	51.56
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
23	**गोसूंडा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
24	**बस्सी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	107.01
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
25	**खारी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
26	**छापी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	70.53
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
27	**बिलास परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
28	**सावन भादो परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	124.53
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
29	**सुकली परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	128.11
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
30	**बांदी सेदरा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	61.42
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
31	**कानोता परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
32	**चंवली परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	86.85
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
33	**गम्भीरी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	382.67
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
34	**जयसमन्द परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	0.56
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
35	**माषी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
36	**गलवा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
37	**उदय सागर**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	168.66
38	**छापरवाड़ा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
39	**कालख परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
40	**पारवती परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
41	**टैंक परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
42	**कालीसिल परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
43	**मातृ कुण्डियां परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
44	**नारायण सागर (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
45	**अन्य परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
46	**बेंथली परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	170.27
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00
47	**परियोजनाओं का पुनर्जीविकरण/ उन्नयन/ आधुनिकीकरण/ नवीनीकरण (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	2076.96
48	**गरदड़ा परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1535.07
49	**परवन लिफ्ट योजना (अवाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	388.12
50	**हरिशचन्द्र सागर (अवाणिज्यिक)**	
	रखरखाव एवं मरम्मत	30.87
51	**तकली परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1135.56
52	**लहासी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1211.53
53	**मनोहर थाना परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	4.06
54	**राजगढ़ परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	2064.18
55	**पीपलाद परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.00

तालिका संख्या – 13		
वर्ष 2019–20 के लिए राज्य निधि (योजनाओं के अतिरिक्त) मद के अन्तर्गत बजट प्रावधान		
क्र.सं.	लेखों शीर्ष	2019–20 के लिये बजट प्रावधान (लाख रू0 में)
56	**गागरीन परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	1207.96
57	**हाथियादेह परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	266.40
58	**अन्धेरी परियोजना (वाणिज्यिक)**	
	पूंजी लेखों पर ब्याज	0.56
59	**सामान्य**	
60	निदेशन तथा प्रशासन	1056.67
61	सिंचाई प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण केन्द्र	427.02
62	अनुसंधान	250.85
63	सर्वेक्षण	2525.03
64	गुण नियन्त्रण	1322.75
65	जिला परिषदों / जिला स्तर की पंचायतों को सहायता	425.00
66	ब्लॉक पंचायतों / मध्यवर्ती स्तर की पंचायतों को सहायता	50.00
67	अनुसूचित जातियों के लिए विशिष्ट संघटक योजना	862.60
	2701 योग (मध्यम सिंचाई)	**21409.13**
	2702–लघु सिंचाई	
	सतही जल	
	जिला परिषदों / जिला स्तर की पंचायतों को सहायता	0.00
	ब्लॉक पंचायतों / मध्यवर्ती स्तर की पंचायतों को सहायता	990.00
	अनुसूचित जातियों के लिए विशिष्ट संघटक योजना	0.01
	जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	0.02
	अन्य व्यय	7159.02
	कुल योग (लघु सिंचाई)	**8149.05**
सारांश		
	2700–मुख्य सिंचाई	**92243.58**
	2701–मध्यमसिंचाई	**21409.13**
	2702–लघु सिंचाई	**8149.05**

तालिका संख्या –14

राजस्व विभाग द्वारा संकलित सूचना के आधार पर
कुल सिंचित क्षेत्रफल एवं वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल

(सिंचाई क्षमता हैक्टेयर में)

क्र0 संख्या	नाम साधन/परियोजना	कुल सिंचित क्षेत्रफल		वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल	
		वर्ष 2017–18	वर्ष 2018–2019 (सम्भावित)	वर्ष 2017–18	वर्ष 2018–2019 (सम्भावित)
1	*2*	*3*	*4*	*5*	*6*
1	**नहरों द्वारा**				
	(1)सरकारी				
	(अ)राजस्थान नहर (इ.गा.न.प.)	1295703	1406830	644348	738336
	(ब) चम्बल नहर	317826	132245	281967	101154
	(स) गंग नहर	533071	551652	305632	309521
	(द) भाखड़ा नहर	664624	688935	355295	361010
	(य) अन्य	368343	556451	339281	506541
	(2) निजी	0	0	0	0
	योग (1)	**3179567**	**3336113**	**1926523**	**2016562**
2	तालाबों द्वारा	68866	35536	68160	34978
3	नलकूपों द्वारा	4900531	5186810	3803763	4034468
4	कुओं द्वारा	2331940	2298821	2066738	2034965
5	अन्य	122598	164115	119753	161983
	कुल योगः	**10603502**	**11021395**	**7984937**	**8282956**